दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-214 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 7 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना हमें मंजूर नहीं है। भारत की सीमाएं अटल हैं, इससे समझौता नहीं हो सकता। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को दुनिया के नक्शे को नए तरीके से दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा। अभी दुनिया में मर्केटर मैप काफी इस्तेमाल होता है। इसमें नक्शे पर ध्रुवों के पास के इलाके अपने असली आकार से बड़े दिखाई देते हैं। नए तरीके को इक्वल एरिया प्रोजेक्शन कहा गया है। इसमें अफ्रीका पहले से बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे।

कहा- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, हमारी सीमाएं अटल, इनसे समझौता नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी भारत को बना रहे हैं आर्थिक शक्ति

भोपाल (एजेंसी)। मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यापार वाणिज्य और उद्योग के क्षेत्र में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर इस क्षेत्र में कार्य करेगा। वैश्विक स्तर पर निवेश की संभावनाओं को साकार करने के लिए मैं मध्यप्रदेश से यूएई के दौरे पर आया हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आर्थिक शक्ति बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनकी यूएई यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में अरब संसद के अध्यक्ष हिज हाइनेस मोहम्मद अहमद अल यामाही और उनके सदस्यों के साथ बैठक में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

यह स्वर्णिम काल है, मध्यप्रदेश से बढ़ रहा है निर्यात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को यूएई पहुंचने पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि भारत जिस तरह दुनिया के देशों के साथ अपने संबंधों को प्रगाढ़ कर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हमारा देश एक पारदर्शी, सरलीकृत व्यवस्था के साथ शुचिता के बल पर व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। राज्यों के बीच भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। यह स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विभिन्न देशों के साथ व्यापार, वाणिज्य की गतिविधियों में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेश के प्रयासों में मध्यप्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। पिछले एक वर्ष में ही 76 हजार करोड़ रुपए का निर्यात मध्यप्रदेश से हुआ है।

अनेक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि लॉजिस्टिक्स, माइनिंग, एग्रीकल्चर, रियल एस्टेट सहित हर क्षेत्र में निवेश आए, व्यापार बढ़े और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हों। निश्चित ही यूएई और मध्यप्रदेश के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई मिलेगी और निवेशक मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में भागीदार बनेंगे।

सियासत : सेवा तीर्थ में नीतियों की समीक्षा होगी

पीएम मोदी 11 साल बाद राज्य मंत्रियों से सीधा संवाद करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंत्रिमंडल विस्तार पर जारी चर्चा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को सेवा तीर्थ में अपने राज्य मंत्रियों और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वाले मंत्रियों से सीधे रूबरू होंगे। इस बैठक में सामाजिक न्याय, कृषि और जनकल्याण क्षेत्र की नीतियों की समीक्षा के साथ इनसे जुड़ी प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बैठक में स्वास्थ्य और आयुष विभाग के साथ खेल मंत्रालय पर भी चर्चा होगी।

मंत्रियों को मिलेगा बात रखने का मौका

मोदी सरकार में 36 राज्य मंत्री और 5 स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री हैं। सूत्रों के मुताबिक कामकाज, वर्तमान और भावी नीतियों, उपलब्धियों पर प्रस्तुति के बाद संबंधित मंत्रालय के राज्य मंत्रियों को भी तीन-तीन मिनट तक अपनी बात रखने का मौका मिलेगा।

विस्तार की चर्चाओं के बीच बैठक

बैठक ऐसे समय में हो रही है जब मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार की अटकलें तेज हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ब्रिक्स की बैठक के बाद और 17 सितंबर को अपने जन्म दिन से शुरू हो रहे भाजपा के एक महीने के देशव्यापी जनसंपर्क अभियान के बीच अपनी टीम को नया लुक दे सकते हैं। विस्तार की चर्चाओं के कारण इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है।

12 साल में दूसरा मौका, प्रधानमंत्री और जूनियर मंत्रियों का सीधा संवाद

करीब 12 साल के कार्यकाल में यह दूसरा मौका होगा जब प्रधानमंत्री अपने जूनियर मंत्रियों से सीधा संवाद करेंगे। माना जा रहा है कि बैठक के बाद पीएम चुनिंदा राज्य मंत्रियों से अलग से भी बात कर सकते हैं। इससे पहले साल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के नौ महीने बाद मोदी मार्च 2015 में राज्य मंत्रियों की टीम के साथ बैठक की थी। उस बैठक में सरकार की नीतियों पर चर्चा करने के साथ राज्य मंत्रियों को जनता से सीधे फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए थे।

2013 में दुनिया भारत को फैजाइल फाइव में गिनती थी

स्पीच में दौरान मोदी बोले- 2013 के समय दुनिया भारत को फ्रेजाइल 5 बता रही थी। अभी दुनिया भारत को 5 सबसे बड़ी इकॉनमी में देख रही है। पिछले हफ्ते ही हमने 7.8त्न की ग्रोथ दर्ज की। ये ऐसे समय में आई है, जब वेस्ट एशिया क्राइसिस चरम पर है। ट्रेड से जुड़ी दिक्कतें हैं। ये भारत की उपलब्धि को दर्शाता है। मोदी बोले- उस समय अर्थव्यवस्था बेहाल थी। दुनिया भारत को फ्रेजाइल 5 में गिन रही थी। और आतंकी बेलगाम थे। यानी तब हताशा और निराशा के अलावा कुछ नहीं था। एक वो समय था जब सब जगह स्ट्रगल ही स्ट्रगल था। पर आज आतंकी पस्त हैं। पाकिस्तान कोई नापाक हरकत करता है तो भारत की सेना घर में घुसकर मारती है। माओवादी आतंक की कमर तोड़ दी गई है। स्पीच के दौरान पीएम ने कहा- देश के लिए जी जान से जुटना। देश के लिए जीने का जज्बा, जो मेरे अंदर भावविष्ट है। वो 2013 में यहीं से शब्दों की माला में गढ़ता गया। मैं काफी देर बोला था। मैंने उस दिन पानी के ग्लास का एक उदाहरण दिया था।

दिल्ली में 5 मंजिला हॉस्टल गिरा, 3 की मौत

बेसमेंट में खुदाई जारी थी; मलबे में दबा युवक दोस्त से फोन पर बोला- बचा लो

नई दिल्ली (ब्यूरो)। रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें तीन स्टूडेंट की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं।बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 5 का रेस्क्यू कर लिया गया है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि मलबे में कितने बच्चे फंसे हैं।

इसरो प्रमुख को लिखी चिट्ठी

निजी कंपनियां बनाएंगी रॉकेट, बढ़ते निजीकरण से हजारों कर्मचारी परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने की नीति के बीच इसरो के कर्मचारियों ने अपने भविष्य को लेकर सवाल उठाए हैं। चार सितंबर को नौ कर्मचारी संगठनों ने इसरो चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी. नारायणन को पत्र भेजकर निजीकरण की नीति, इसरो की भविष्य की भूमिका और मौजूदा कर्मचारियों के साथ-साथ आने वाली भर्तियों पर इसके असर की जानकारी मांगी। इन संगठनों में इसरो के अलग-अलग केंद्रों के कर्मचारी संगठन शामिल हैं और इनका प्रतिनिधित्व हजारों कर्मचारियों से जुड़ा है।

निजी कंपनियों को लेकर कर्मचारियों की चिंता क्यों बढ़ी?

कर्मचारी संगठनों ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका के हालिया बयान का हवाला दिया। उनके मुताबिक, आगे चलकर इसरो प्रक्षेपण यान नहीं बनाएगा और इनका निर्माण निजी क्षेत्र या सार्वजनिक उपक्रमों के जरिए किया जाएगा। कर्मचारी संगठनों ने कहा कि यह बदलाव छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी एसएसएलवी से शुरू हो चुका है और आगे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी पीएसएलवी तथा एलवीएम3 तक पहुंच सकता है। इससे कर्मचारियों में भविष्य को लेकर बेचैनी पैदा हुई है।

जहरीली शराब से 2 दिन में 11 मौतें

कुछ ही देर में अकड़ने लगे हाथ-पैर, शरीर पर पड़े नीले निशान; दहला देगी कहानी

सागर (ब्यूरो)। सागर जिले के बंडा अनुविभाग के ग्रामीण इलाकों में संदिग्ध जहरीली शराब ने तबाही मचा दी है। अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सबसे ज्यादा असर ग्राम नौराज और घूघरा खुर्द में देखने को मिला है। अमर उजाला की टीम जब हादसे की जमीनी हकीकत जानने सबसे ज्यादा प्रभावित गांव नौराज पहुंची, तो वहां का नजारा बेहद दर्दनाक था। गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा था और कई घरों से रोने-बिलखने की आवाजें सुनाई दे रही थीं।

'काका हाथ-पैर पटकने लगे... शरीर पर पड़ गए नीले निशान'

नौराज निवासी दिग्विजय लोधी (28) और करतार लोधी (30) की मौत के बाद गांव में मातम पसरा है। दोनों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। मृतक करतार लोधी की भतीजी ने उस रात की घटना बताते हुए कहा कि काका शराब पीकर घर लौटे थे। कुछ देर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हाथ-पैर अकड़ने लगे और वे दर्द से तड़पते हुए माथे पर हाथ मारने लगे। परिजनों के अनुसार, कुछ ही देर में शरीर पर नीले निशान दिखाई देने लगे। हालत बिगड़ने पर उन्हें निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुए 3 अधिकारी निलंबित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले की बंडा तहसील के तीन गांवों में नकली शराब पीने से कुछ लोगों की मौतों के मामलों मे सख्त एक्शन लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर आबकारी आयुक्त श्री दीपक सक्सेना ने तीन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जबकि एक अधिकारी को मुख्यालय अटैच किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार, 6 सितंबर की सुबह ही स्पष्ट रूप से कह दिया था कि इस घटना के लिए दोषी किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।

अमेरिका में 10 लाख भारतवंशी वोटरों के नाम कटने का खतरा

नई दिल्ली (ब्यूरो)। *अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की तर्ज पर वोटर लिस्ट की जांच शुरू कर दी है। इसके लिए करीब 125 करोड़ रुपए का फंड जारी किया गया है। इस प्रक्रिया में वोटर लिस्ट की जांच कर नेशनल वोटर डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इससे अमेरिका में मौजूद करीब 26 लाख भारतवंशी वोटरों में से लगभग 10 लाख के नाम कटने का खतरा बताया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने का है। ट्रम्प प्रशासन ने अपनी इमिग्रेशन एजेंसी (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) को वोटर डेटाबेस की निगरानी की जिम्मेदारी दी है। सभी 50 राज्यों में वोटर लिस्ट की जांच और डेटाबेस अपडेट करने के लिए कंपनियों को काम सौंपा गया है।*

ट्रम्प ने एसआईआर जैसी वोटर लिस्ट जांच शुरू की, 125 करोड़ रुपए से डेटाबेस बनेगा

2026 टॉप-20 में भी नहीं पहुंच सकीं भारत की निकिता पोरवाल, स्पेन की एलिजाबेथ रेयनेस फर्स्ट रनर-अप

डोमिनिकन रिपब्लिक की जोहेरी मोला बनीं मिस वर्ल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)

डोमिनिकन रिपब्लिक की जोहेरी मोला डोमिंग्वेज ने मिस वर्ल्ड 2026 का खिताब जीत लिया। शनिवार को वियतनाम के न्हा ट्रांग में हुए 73वें मिस वर्ल्ड ग्रैंड फिनाले में उन्होंने दुनिया भर की प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए ताज अपने नाम किया। मौजूदा मिस वर्ल्ड थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगश्री ने उन्हें ताज पहनाया। स्पेन की एलिजाबेथ रेयनेस फर्स्ट रनर-अप और मलेशिया की तानुसिया चेट्टी सेकेंड रनर-अप रहीं।

अंग्रेजी शिक्षा की पहल ने दिलाई बढ़त

फाइनल राउंड में जोहेरी से ब्यूटी विद अ पर्पस को लेकर सवाल पूछा गया। उन्होंने बताया कि वह वंचित समुदायों के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही हैं। उनका मानना है कि अंग्रेजी बच्चों के लिए शिक्षा और करियर के नए अवसर खोल सकती है। जोहेरी ने बिजनेस मैनेजमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। वह वॉइस ऑफ टुमॉरो पहल की संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जिसके जरिए जरूरतमंद बच्चों और युवाओं को अंग्रेजी सिखाई जाती है। वह मॉडलिंग के साथ शिक्षिका और कम्युनिटी एडवोकेट के तौर पर भी काम करती हैं।

उज्जैन की निकिता पोरवाल का सफर टॉप-40 में थमा

भारत की निकिता पोरवाल टॉप-40 में जगह बनाने में सफल रहीं, लेकिन टॉप-20 में नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने टॉप मॉडल चैलेंज में बेहतर प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। उज्जैन की निकिता ने फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश-2024 का खिताब जीतने के बाद मिस इंडिया-2024 का ताज भी अपने नाम किया था। अभिनय और लेखन में रुचि रखने वाली निकिता ने कई मंचीय नाटकों की स्क्रिप्ट भी लिखी है। इस साल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अगले साल प्रतियोगिता तंजानिया में आयोजित की जाएगी।

महानंदा एक्सप्रेस के तीन हिस्से पटरी से उतरे, मची अफरा-तफरी

भोजपुर, एजेंसी

बिहार के भोजपुर जिले में रविवार सुबह बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। आरा रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर अलीपुरद्वार से दिल्ली जा रही महानंदा एक्सप्रेस अचानक डिरेल हो गई। ट्रेन के पटरी से उतरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान ट्रेन में सवार बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। तेज आवाज होने के कारण अचानक यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, महानंदा एक्सप्रेस आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 से रवाना हुई थी। स्टेशन से कुछ दूरी आगे पश्चिमी ओवरब्रिज के समीप पहुंचते ही ट्रेन के इंजन, स्क्रबोगी और एक्ष्ट कोच के पहिए पटरी से उतर गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और यात्रियों के बीच चिंता का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

तेज आवाज से यात्रियों में मचा हड़कंप

हादसा रविवार सुबह के समय हुआ। उस वक्त ट्रेन में बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। अचानक ट्रेन के डिरेल होने और तेज आवाज आने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। लोग घबराकर अपनी सीटों से उठ गए और स्थिति को समझने की कोशिश करने लगे।

[कार्यक्रम] सिन्धु विकास समिति ने किया आयोजन

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया गया सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति द्वारा सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रातः सिन्धी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किरण डिगवानी, डॉ. मोनिका खूबचंदानी,रोशनी मनवानी, समाजसेविका गुरमुख पंजवानी, संस्था के संरक्षक श्रीचंद मनवाणी, गोपी गेलानी ,मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी, महामंत्री घनश्याम मंघरानी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इष्टदेव भगवान श्री झूलेलाल की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर की तत्पश्चात आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। संरक्षक मनोहर डिगवानी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अतिथियों एवं उपस्थित सम्मानीयगणों का शब्दों से स्वागत किया।

अतिथियों ने दिया उद्बोधन

अतिथि किरण डिगवानी ने उद्बोधन देते हुए कहा शिक्षक के मन मे एक रचनाकर होता है,ऐसा रचनाकार जो शिष्य से समाज,समाज से संस्कृति और संस्कृति से राष्ट्र का निर्माण करता है। इस अवसयर पर अतिथि रोशनी मनवानी, डॉ. मोनिका खूबचंदानी, गुरमुख पंजवानी आदि ने अपने उद्बोधन मे कहा कि शिक्षा ही है जो अन्य सभी व्यवस्थाओं का निर्माण करती है। एक शिक्षक के द्वारा दिए गए ज्ञान से ही अन्य अनेक व्यवस्थाओं का जन्म होता है । समाजसेवी छवि त्रिपाठी, विजय जग्यासी,मनोहर आरतानी, अशोक वाधवानी, कन्हैयालाल कामदार ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

इनका किया सम्मान

संस्था के महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने बताया इस अवसर पर निकिता वाधवानी, नीता जादवानी, आंचल पांडे ,वर्षा गेलानी, रचना पटेल, आकाश जग्यासी, महेश वासवानी, जूली, लाला, जय ,श्री तिवारी, नीलम वाधवानी, रूपा सतनामी, ज्योति कोटवानी का शाल,श्री फल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया । आए हुए अतिथियों का भी शाल पहना कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी,ने किया एवं आभार मार्गदर्शक गोपी चंद कापड़ी ने व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ज्योति मनवानी, सिमरन होतचंदानी, रेशमा दुसेजा, डिम्पल मनवानी,चन्द्रलाल मोटवानी, अशोक आहूजा, विजय जग्यासी, संरक्षक श्रीचंद मनवाणी,गोपी गेलानी, मनोहर डिगवानी, मनोहर आरतानी,गोपीचंद कापड़ी,सुरेश बासाणी , अशोक वाधवानी, अशोक आहूजा, सुशील आहूजा, जय होतचंदानी,मोहन वलेजा, राजा वाधवानी, कन्हैयालाल कामदार, अध्यक्ष विनोद गेलानी, ज्ञान खटवानी, इंद्रलाल आडवाणी,घनश्याम मंघरानी,संजय वाधवानी, दिलीप सोनी, रंजीत सेनानी, अशोक चांदवानी, दीपक वाधवानी, केशव माखीजा, मनीष सदानी, रूपचंद छुट्टानी, राजकुमार साधवानी, एवं समाज की मातृशक्ति प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शिव ज्योति किड्स स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

शिव ज्योति किड्स स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया । विद्यालय की प्राचार्या उमा मिश्रा ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों के जीवन को सही दिशा देने के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं एवं उनके योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षिकाएं रीता श्रीवास्तव, ममता सिंह बघेल, वंदना उपाध्याय, पदमा सिंह, सारिका निगम, नीलम शुक्ला, हेमला गुप्ता, प्रीति गौतम, नीतू पांडे ,प्रिया द्विवेदी, अंकिता उरमालिया, दिशा पांडेय, ज्योति पांडे, पिंकी निगम, श्रांजल खरे, शुभांगिनी परासर, अर्चना शुक्ला, आकृति दुबे, योगिता त्रिपाठी, पूजा पांडे, विभूति मिश्रा, सोनिका गुप्ता, मांडवी त्रिपाठी, अश्मिका त्रिपाठी, मेघना बागरी, खुशी गुप्ता, नमृता पांडे, पूजा पांडे सहित शिक्षक दिवस समारोह के इस विशेष अवसर पर इनर व्हील क्लब की पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा दिया। इनर व्हील क्लब की सचिव नेहा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुनीता गुप्ता, कोषाध्यक्ष मंजुला सिंह एवं जोनल हेड उमा मिश्रा विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की ओर से विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को उनके शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान और समर्पण के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेवा केन्द्र में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

नगर संवाददाता, सतना।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र, अमरपाटन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परमपिता, परमशिक्षक एवं परमसदुरु परमात्मा शिव की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह परिहार का स्वागत किया गया। साथ ही उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अन्य अतिथियों का भी स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन के पश्चात बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मृगेंद्र सिंह परिहार ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म, कर्म एवं सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वहीं, शिक्षक समाज के निर्माण एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अन्य अतिथियों द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए गए।

लीनेस मेन क्लब ने किया शिक्षकों का सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

ऑल इंडिया लीनेस मेन क्लब सतना अध्यक्ष ली डॉ प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व डाइट प्राचार्य साकेत कुमार गौतम, पूर्व सेवानिवृत्त शिक्षिका कीर्ति मिश्रा तथा क्लब सदस्य डॉ. रमा मिश्रा, साधना राय का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि शिक्षिका कीर्ति मिश्रा द्वारा क्लब को 2,100 की सहयोग राशि प्रदान की गई। क्लब परिवार की ओर से उनके इस आत्मीय सहयोग एवं उदारता के लिए उनका हृदय से बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में ली रश्मि जैन,ली अंजना अग्रवाल, सचिव पूजा गुप्ता, ली पूजा चतुर्वेदी का विशेष योगदान रहा । कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

एकेएस विश्वविद्यालय में आस्था, उल्लास व गुरु-परंपरा का संगम

नगर संवाददाता, सतना।

एकेएस विश्वविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस समारोह आस्था, उल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया जा रहा है। समारोह में कुलाधिपति बीपी सोनी ने सभी शिक्षकों को उनके समर्पित, अनुकरणीय एवं समाज तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए साधुवाद एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को भावी पीढ़ी के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

प्रो-चांसलर अनंत कुमार सोनी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि ईश्वर ने हमें जो कुछ प्रदान किया है, उसके लिए सदैव आभारी रहना चाहिए। जीवन में यदि कभी कठिनाइयां आएं तो उन्हें सहने और परिस्थितियों का सामना करने का धैर्य भी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता और धैर्य जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाले महत्वपूर्ण गुण हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में मटकी फोड़ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। मटकी फोड़ के दौरान परिसर में उत्सव, उमंग और उल्लास का वातावरण बना हुआ है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीपी सोनी, प्रो.चांसलर अनंत कुमार सोनी सहित मंच पर कुलपति प्रो. बीए चोपड़े, प्रो. आरएस त्रिपाठी, इंजीनियर आरके श्रीवास्तव, डीन एफएएसटी डॉ. एके भौमिक एवं सूर्यनाथ सिंह गहरवार उपस्थित हैं। विभिन्न संकायों के डीन, निदेशक, शिक्षक एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य भी समारोह में सहभागिता कर रहे हैं।

शिक्षक की भूमिका पर डाला प्रकाश

जन्माष्टमी आयोजन के पश्चात शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण करते हुए शिक्षक की भूमिका तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक मिश्रा ने किया। उनके साथ फैकल्टी सदस्य शिवम पांडे ने भी कार्यक्रम के संचालन में सहभागिता की। आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा, कृतज्ञता, धैर्य और शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्ति मिली। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित यह समारोह उत्सव के साथ-साथ संस्कार, प्रेरणा और गुरु-परंपरा के प्रति सम्मान का संदेश दे रहा है।

प्रतिभाओं का सम्मान आज

सतना। वैश्य महासम्मेलन द्वारा शिक्षा, प्रतिभा और उत्कृष्ट उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन रविवार 6 सितंबर को प्रात : 11.30 बजे सतना में किया जाएगा। समारोह में रीवा संभाग के रीवा, सतना एवं मैहर जिलों के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया जाएगा।

श्री सार्थक फाउंडेशन द्वारा शिक्षक दिवस पर मुद्रिका प्रसाद द्विवेदी सम्मानित

सतना। शिक्षक दिवस के अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष मोंगिया ने डॉ. राधाकृष्णन को याद करते हुए कहा कि हमारे भारत देश 5 सितंबर को शिक्षक दिवस हमारे महान शिक्षक, दार्शनिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर सरस्वती उच्च महाविद्यालय के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद द्विवेदी को श्री सार्थक सेवा फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। फाउंडेशन की ओर से उन्हें शील्ड एवं श्रीफल भेंट कर उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की तरफ से आशीष मोंगिया, विनोद गेलानी, सुजाता शर्मा, अभय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

जिए सिंध सेवा संगम ने 110 शिक्षकों को किया सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

गुरु केवल ज्ञान नहीं देते, वे जीवन को दिशा देते हैं और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं इसी भावना को आत्मसात करते हुए सामाजिक संस्था जिए सिंध सेवा संगम फाउंडेशन द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को सिंधु मंगल भवन, सिंधी कॉलोनी, सतना में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 110 शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान कर उनके प्रति समाज की कृतज्ञता व्यक्त की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी सुदामा तीर्थवानी रहे विशिष्ट अतिथियों के रूप में नमामि सोनाखिया, डॉ. लक्ष्मी मोहनानी, डॉ. स्वप्ना वर्मा, मनोहर भोजवानी, मनोहर आहूजा, चेतन खिलवानी, महेश गांधी, शंकर मीरानी, राकेश सोनी, रवि मिरानी शेखर शेतपाल एवं केशव माखीजा उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोहर सुगानी ने की, जबकि मंच का संचालन कन्हैया कामदार एवं मुस्कान चंदानी ने किया। समारोह में शिक्षकों के साथ-साथ समाज एवं मानव सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया।

अशोक कांचा को सिंधु संचार सम्मान, रूपेश वलेचा को सिंधु समर्पण सम्मान, नमन परिवार को निस्वार्थ सेवा सम्मान तथा घनश्याम मंगरानी को सिंधु कर्मयोगी सम्मान से सम्मानित किया गया इसी क्रम में संजय वाधवानी एवं दिलीप सोनी को सिंधु जन सेवा सम्मान तथा श्रीमती कृष्णा टेक चंदानी को सिंधु विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया।समारोह में जनरल मर्चेंट एसोसिएशन, इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन, रीवा रोड व्यापारी संघ एवं रेडीमेड व्यापारी संघ को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी गोपी गेलानी, श्रीचंद मनवाणी, जितेंद्र सबनानी शंकर वाधवानी, सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रेलवे डब्ल्यू.सी.आर. के पी.सी.एम.ई. ने कोचिंग डिपो के विभिन्न मेंटनेंस कार्यस्थलों का किया निरीक्षण

नगर संवाददाता, सतना।

रेलवे डब्ल्यू.सी.आर. के पी.सी.एम.ई. सर एस. के. रावत का रीवा आगमन हुआ। उनके द्वारा रीवा कोचिंग डिपो के विभिन्न मेंटनेंस कार्यस्थलों का निरीक्षण किया गया एवं डबल्यूसीआरएमएस के पदाधिकरियो द्वारा पुष्प गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया गया एवं रीवा कोचिंग डिपो की समस्याओं के सम्बंध में ज्ञापन दिया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे हेडक्वाटर वर्किंग कमेटी मेंबर पुनीत वर्मा, उपाध्यक्ष कमलेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष भोलेनाथ पाण्डेय, उपाध्यक्ष नंदकुमार साकेत, अमित सिंह, अनिल मिश्रा, मनोज तिवारी, अभिषेक शुक्ला, मुकुल सिंह, आदि डबल्यूसीआरएमएस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चिन्मय मिशन में हर्षोल्लास से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

नगर संवाददाता, सतना।

चिन्मय मिशन सतना में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और वेदोक्त विधि-विधान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की षोडशोपचार पूजा, पुरुष सूक्त एवं वेद मंत्रों के मंगल घोष के साथ हुआ। इसके पश्चात भगवान के श्री गोपाल सहस्त्रनाम के 1008 नामों से दिव्य अर्चना की गई। अर्चना के उपरांत भक्तों ने भजन-कीर्तन का आनंद लिया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण कृष्णमय हो गया। भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा भावपूर्वक नैवेद्य अर्पण किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मचारिणी मिताली ने विशेष सत्संग प्रदान किया। उन्होंने कृष्ण तत्व की व्याख्या करते हुए बताया कृष का अर्थ है अस्तित्व और ण का अर्थ है आनंद, अर्थात कृष्ण का अर्थ है अपने ही अस्तित्व का आनंद।कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में चिन्मय मिशन के सचिव मनमोहन माहेश्वरी, प्रदीप नायक, आशा नायक, हेमचंद जायसवाल, प्रदीप अवस्थी, विभाष बनर्जी, शत्रुघ्न प्रताप सिंह, देवेन्द्र कुमार तिवारी, डॉ. नवल नेमा, अशोक दीक्षित, राजेश मेहता, श्रवण तिवारी, विनय गुप्ता, ज्योति विजय नायक, घनश्याम सोनी, किरण प्रमोद अग्रवाल, रवींद्र शुक्ला, अंशु राय, रत्ना श्रीवास्तव, के.के. शुक्ला, सीए ऋतु अग्रवाल, डॉ. विजेता राजपूत, अविनाश नेमा, लक्ष्मीकांत शर्मा, ओमप्रकाश अग्रवाल, प्रो. रमाकांत सिंह, कोदूलाल गर्ग, लता छावछरिया, सुनीत माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

विनायक पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

विनाय पब्लिक हायर सेकेण्ड्री स्कूल पौराणिक टोला सिविल लाइन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीनानाथ वडीवा रहे। जबकि अध्यक्षता सुभाष चौधरी विधिक सहायता अधिकारी जिला न्यायालय सतना एवं सविता सिंह प्राचार्य शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल सतना तथा डॉ. हेमंत डेनियल पूर्व श्रम अधिकारी, श्वेता मौर्य महिला थाना निरीक्षक रहीं। इस अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्या संजू त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने बच्चों को इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर उपहार से सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन संस्था संचालक आरएन त्रिपाठी ने किया।

[राहत कार्य] जुटे 200 से अधिक कार्यकर्ता, जरूरतमंदों को सामग्री का वितरण

बाढ़ पीड़ितों की निरंतर मदद कर रहा दीनदयाल शोध संस्थान

नगर संवाददाता, सतना।

चित्रकूट में आई बाढ़ के बीच दीनदयाल शोध संस्थान लगातार राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। डीआरआई द्वारा बाढ़ राहत कार्य संगठन सचिव अभय महाजन के नेतृत्व में लगातार जारी है। शनिवार को भी प्रातः से ही संस्थान के चिकित्सा दल, कृषि एवं पशु स्वास्थ्य चिकित्सा दल तथा बाढ़ सहायता दल क्षेत्र में पहुंच गए। संस्थान के सह संगठन सचिव अनिल अग्रवाल भी दर्जनों बस्तियों सहित आसपास के इलाकों में जाकर वे परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रहे हैं, ताकि राहत सामग्री वास्तविक जरूरतमंदों तक व्यवस्थित तरीके से पहुंचाई जा सके। कोषाध्यक्ष वसंत पंडित भी कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय का काम देख रहे हैं। चित्रकूट के अलग-अलग वार्डों में बाढ़ राहत-चिकित्सा शिविर आरोग्यधाम द्वारा लगाए जा रहे हैं। जिसमें चिकित्सा सेवा, निशुल्क दवाइयों का वितरण, स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ परामर्श एवं आपातकालीन सेवा को शामिल किया गया है।

बाढ़ में उजड़े परिवारों को मिले विशेष पैकेज प्रशासन भेजे सरकार को प्रस्तावः सांसद

सतना। बाढ़ की त्रासदी झेल चुके परिवारों को राहत और पुनर्वास दिलाने के लिए सतना सांसद गणेश सिंह ने जिला प्रशासन से प्रभावितों के नुकसान का आकलन जल्द पूरा कराने को कहा है। सांसद ने कहा कि जिले की सभी तहसीलों में बाढ़ से घर, दुकान और अन्य सामग्री को हुए नुकसान की रिपोर्ट समय सीमा में तैयार की जाए। साथ ही कच्चे मकान गिरने या पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने वाले परिवारों की संख्या अलग से निर्धारित की जाए। सांसद ने किसानों की बर्बाद हुई फसलों का भी टीम गठित कर सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि नुकसान का पूरा आकलन होने के बाद प्रदेश सरकार को सहायता का प्रस्ताव भेजा जाए, ताकि बाढ़ में क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हुए मकानों के लिए पीएम आवास योजना के तहत विशेष पैकेज दिलाया जा सके। सांसद ने प्रशासन से कहा है कि बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को दिए जाने वाले 50 किलो खाद्यान्न का वितरण जल्द पूरा कराया जाए। इसके अलावा अतिरिक्त सहायता के रूप में दिए जाने वाले 5 हजार की राशि का भी जल्द निराकरण किया जाए, ताकि संकट में फंड़े परिवारों को तत्काल आर्थिक मदद मिल सके। ंसद ने किसानों और अन्य रहवासियों से भी अपील की है कि बाढ़ के पानी में डूबा हुआ वह अनाज जिसमें तेज दुर्गंध आने लगी है, उसे खुले स्थानों पर या आबादी के आसपास व नदी नालों में न फेंकें।

बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सगमनिया में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

नगर संवाददाता, सतना।

सगमनिया ग्राम में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता एवं राहत कार्यों में सहयोग के उद्देश्य से बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सीएसआर विभाग के सहयोग से राहत सामग्री वितरित की गई। इस पहल के तहत बाढ़ प्रभावित एवं जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सामग्री समय पर पहुंचाने का प्रयास किया गया। राहत अभियान के अंतर्गत 30 बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए सूखी खाद्य सामग्री एवं राशन तथा पेयजल की बोतलों की व्यवस्था की गई। वहीं, आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों के अस्थायी आवास एवं सुरक्षा के लिए त्रिपाल भी उपलब्ध कराए गए। राहत सामग्री को प्रभावित परिवारों तक समय पर पहुंचाने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करने में विभिन्न सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर आरपी सिंह, बिरला सिक्योरिटी इंचार्ज, संतोष पांडे, बिरला सिक्योरिटी मैनेजर, बिरला सीएसआर से अनामिका सिंह; ग्राम पंचायत सगमनिया के सरपंच मंजीत कुमार, आसरा संस्था से कुलदीप द्विवेदी, प्रिया सिंह एवं रोशनी चौधरी, एसएमजीवीएस से अंकिता सिंह तथा प्रजायत्ता संस्था से अमित सिंह ने अपना सहयोग प्रदान किया। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की इस पहल से बाढ़ प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध हुई, जिससे आपदा की कठिन परिस्थितियों में उन्हें सहायता मिली।

शिक्षित होने के साथ संस्कारवान होना आवश्यक : राजेन्द्र शुक्ल

■ विवि.में पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि विषय पर कार्यशाला आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में पंचकोष समग्र व्यक्ति्व विकास की भारतीय दृष्टि विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संस्कारों के बिना सुगंध के फूल जैसी है। शिक्षित होने के साथ.साथ संस्कारवान होना आवश्यक है। आज जो विकास के प्रयास हो रहे हैं उनका पूरा लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा। भारत को 2047 तक विश्वगुरू और आर्थिक महाशक्ति बनाने का संकल्प देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। इस संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। युवा शिक्षित होने के साथ.साथ संस्कारवान बने इसके लिए पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि को अपनाना आवश्यक है। अच्छे संस्कार सांस्कृतिक मूल्य और सकारात्मक दृष्टिकोण युवाओं को सही लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक होगा। कार्यशाला में जो गुरू ज्ञान दिया जा रहा है उसे विद्यार्थी अपने जीवन में उतारे तभी जीवन सफल होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के उच्च लक्ष्य तय करने के साथ हमे जो प्राप्त है वहीं पर्याप्त है कि आत्मसंतुष्टि होनी चाहिए। जीवन को सही दिशा न मिलने पर युवा भटकर गलत रास्ते में चल पड़ते हैं। देश तेजी से विकास कर रहा है। देश विरोधीतत्व युवाओं को शाफ्टकॉर्नर बनाकर उनको पथ से विमुख करने का प्रयास कर रहे हैं। युवा इनसे सावधान रहें। देश का युवा सही राह पर चल पड़ा तो दुनिया में राज करने से उसे कोई नहीं रोक सकता है। अच्छे संस्कार और जीवन की सही दिशा ही हमे सफलता देगी।

युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान के अच्छे मूल्यों को अपनाये:जनार्दन मिश्र

कार्यशाला में सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि सनातन परंपरा के मूल्य और वैदिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान ने भी प्रमाणित किया है। शरीर और मन को संतुलित रखने पर पूरा जीवन संतुलित हो जाता है, इसके लिए योग, ध्यान और प्राणायाम आवश्यक है। पूरी दुनिया तनाव प्रबंधन के लिए इसका उपयोग कर रही है। युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान के अच्छे मूल्यों को अपनाये। प्राचीन ग्रांथों में भी भ्रमित करने के लिए भी मिलावट कर दी गई है। सही ज्ञान को अपनाने पर ही आत्मबोध और आत्मचिंतन से आत्मसंतुष्टि होगी। कार्यशाला में श्री शर्मा ने कहा कि समाज को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए शिक्षाए संस्कृति का उत्थान आवश्यक है। कार्यशाला में विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलगुरू डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि गुरू ही शिष्य को सही मार्ग दिखलाते हैं। कबीरदास जी ने कहा है कि समुद्र की स्याही, धरती के सभी पेड़ों की कलम बनाकर धरती को किताब मानकर यदि गुरू का महात्म लिखा जाय वह भी कम होगा। जब शिष्य गुरू से श्रेष्ठ बन जाता है तभी गुरू को सच्चा सुख मिलता है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलगुरू राजेन्द्र कुड़रिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने यह कार्यशाला विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए नये द्वार खोलेगी। कार्यशाला के सहयोजक रामभूषण मिश्र ने कार्यशाला के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में गणमान्य नागरिक, प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यशाला का समापन कुलसचिव नीरजा नामदेव द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को किया सम्मानित

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृष्णाराज कपूर आडिटोरियम में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियो और कर्मचारियों को सम्मानित किया। निजी संस्था द्वारा आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले लोक सेवकों को सम्मानित करने पर उन्हें अच्छे कार्य करने का प्रोत्साहन मिलता है। प्रशासनिक व्यवस्था में कई अधिकारी और कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्रा, पूर्व मंत्री जय सिंह मरावी, राजेन्द्र शर्मा तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यादव महासभा के श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए डिप्टी सीएम

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 12 बजे रात्रि आराध्य देव श्रीकृष्ण के जन्म उपरांत पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में उपमुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, उनकी लीलाओं तथा श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज को अधर्म और दुष्ट प्रवृत्तियों से बचाने के लिए सतर्कता, धैर्य, कूटनीति और नैतिक संकल्प शक्ति अपनाने का आह्वान किया। इतिहास और पौराणिक कालखंडों का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज में नकारात्मक एवं उपद्रवी तत्वों की उपस्थिति केवल वर्तमान कलयुग तक सीमित नहीं है, बल्कि द्वापर और त्रेता युग में भी ऐसे तत्व विद्यमान थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि द्वापर युग में शिशुपाल जैसे लोग मौजूद थे, जो मर्यादा की सीमाओं को लांघने और व्यवस्था को क्षति पहुँचाने के लिए आतुर रहते थे। वर्तमान कलयुग में भी जब इस प्रकार के उपद्रवी लोगों का सामना होता है, तो समाज को हताश या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। यह समाज का नैतिक दायित्व है कि वह ऐसे तत्वों की पहचान करे, उन्हें समाज से किनारे करे और समय आने पर धर्म एवं न्याय की रक्षा हेतु उन्हें पूर्णत: परास्त भी करे। यही भगवान श्रीकृष्ण के जीवन मूल्यों और आदर्शों को व्यवहार में उतारने का सच्चा मार्ग है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने उपस्थित जनसमूह का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित, जागरूक और धर्मनिष्ठ बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जब तक समाज अपने कर्तव्यों के प्रति सजग नहीं होगा और शांति की पहल के साथ-साथ अधर्म के प्रतिकार का साहस नहीं रखेगा, तब तक एक समरस और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव नहीं है। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्र, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सखाराम यादव, सीएल यादव, संगीता राजेश यादव, राकेश यादव, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉक्टर शंकर लाल यादव, राम नरेश यादव, मनोज यादव, रेनू यादव, सूरज यादव, अवनीश यादव, दिलीप यादव, अशोक यादव, राजबहोर यादव, डॉ. शब्द सिंह यादव, रामकुशल यादव सहित यादव महासभा के अन्य प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षक सम्मान के साथ जिरौहा स्कूल परिसर में पौधारोपण

रीवा, नगर संवाददाता।

शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को माध्यमिक शाला जिरौहा में शिक्षक सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल की गई। कार्यक्रम के समापन पर जंगल बचाओ आंदोलन द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। समाजसेवियों, शिक्षकों और ग्रामीणजनों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में पौधारोपण के माध्यम से बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण बनाने का संकल्प है। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी सामूहिक रूप से निभाने का संदेश दिया गया। इससे पहले शिक्षक दिवस पर विद्यालय में गुरुजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी बृजेंद्र पांडे एवं अरुण सिंह (पिंटू) ने पूर्व वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षकों को अक्षत-टीका लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।प्रधानाचार्य विनोद दुबे ने आभार प्रदर्शन किया, जबकि शिक्षक अवधेश प्रसाद मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में शिक्षक रामभजन वर्मा, संतोष कोल, अंकित, रागिनी चौरसिया, धनेंद्र पांडे, सेवानिवृत्त शिक्षक केशव प्रसाद साहू, समाजसेवी रामायण तिवारी, एडवोकेट भगवती प्रसाद तिवारी, सत्यनारायण साहू सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिक्षक समाज के भविष्य निर्माता, संस्कार और ज्ञान से गढ़ते हैं राष्ट्र: रावेन्द्र गुप्ता

रीवा, नगर संवाददाता।

पूरे देश के साथ शनिवार को मनगवां में भी भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सरस्वती विद्यालय में गरिमामय शिक्षक सम्मान समारोह एवं विभिन्न सांस्कृतिक व प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को उनके शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा समिति सीनियर सदस्य एवं शासकीय विद्यालय के पूर्व प्राचार्य आदित्य तिवारी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में संस्था आयोजन समिति से जुड़े पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सोनी, मुन्ना भैया, रामनिवास गुप्ता, राम संयबर गुप्ता, संस्था के व्यवस्थापक रावेन्द्र गुप्ता, फूलमती पटेल सहित पत्रकार अनिल गुप्ता एवं विजय गुप्ता उपस्थित रहे।

गीताजंलि पब्लिक स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

रीवा, नगर संवाददाता।

5 सितम्बर को गीतांजलि पब्लिक स्कूल रीवा में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्कूल संस्थापक शिवप्रसाद प्रधान,श्रीमती अरूणा प्रधान के द्वारा कार्यकम का सुभारंभ मॉ सरास्वती के प्रतिमा में पुष्पमाल्यापर्णन कर दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। शिक्षक दिवस समारोह का संचालन स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा मुख्य अतिथि व शिक्षकों को समर्पित गीत गाकर स्वागत किया गया। तथा छात्राओं द्वारा कई मनमोहक नृत्यों का शानदार प्रदर्शन किया गया जो सभी के मन को प्रफुल्लित कर दिया। कक्षा 11 वीं एवं 12वीं के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य की सभी ने बहुत-बहुत सराहना की। विद्यालय के संस्थापक श्री शिव प्रसाद प्रधान श्रीमती अरूणा प्रधान जी के द्वारा केक काटकर सभी शिक्षकों को बहुत-बहुत बधाई दी गई। विद्यालय संचालक श्री वरूण प्रधान ने जीवन में शिक्षकों के महत्व को बताते हुए विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासित रहने एवं शिक्षकों का सम्मान करते हुए जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने की शीख दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवप्रसाद प्रधान ने शिक्षकों का सम्मान करने एवं जीवन में शिक्षक का महत्व बताते हुए सभी छात्रों एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय संचालक वरूण प्रधान ,श्रीमती रितिका प्रधान द्वारा सभी अध्यापकों को इस गौरवशाली दिवस की सुभकामनायें व उपहार देते हुए सभी शिक्षकों को बहुत-बहुत बधाई दी गई। कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि एवं शिक्षकों को उपहार देते हुए सभी को सम्मानित किया गया। और सभी के लिए उत्तम स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के असाधारण प्रयासों को मान्यता

रीवा। रीवा में बाल विवाह के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहे अहिंसा वेलफेयर सोसायटी ने संयुक्त राष्ट्र के 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह की समाप्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित करने के ऐतिहासिक कदम का स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि यह सरकार व प्रशासन के सहयोग से देश में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रहे नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के अथक और असाधारण प्रयासों को वैश्विक मान्यता है। संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी जेआरसी का एक सहयोगी संगठन है। जेआरसी लंबे समय से इस दिवस की मांग कर रहा था।

शिक्षक दिवस: बड़ाछ में गूंजा शिक्षकों के सम्मान का संदेश

रीवा, नगर संवाददाता।

शिक्षक केवल बच्चों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। शिक्षक के ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से ही एक विद्यार्थी आगे चलकर देश का जिम्मेदार नागरिक बनता है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए रीवा जिले के जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ाछ में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में विशेष पहल की गई। ग्राम पंचायत बड़ाछ के सरपंच प्रदीप कुमार सिंह 'दीपू' द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर सेवानिवृत्त, सेवारत एवं दिवंगत शिक्षकों की स्मृति में शिक्षकों को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सरपंच द्वारा लगातार कई वर्षों से शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा निभाई जा रही है। उनकी इस पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है। ग्राम पंचायत बड़ाछ के सरपंच प्रदीप कुमार सिंह 'दीपू' ने शिक्षक दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे शिक्षकों के सम्मान और उनके योगदान को याद करने का अवसर बनाया है। उनके द्वारा विगत कई वर्षों से शिक्षक दिवस के अवसर पर क्षेत्र के शिक्षकों, सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं दिवंगत शिक्षकों की स्मृति में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है।

इन शिक्षकों व समाजसेवियों का हुआ सम्मान

शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक राधाकांत त्रिपाठी, वीरेंद्र बहादुर सिंह, गोकुल प्रसाद त्रिपाठी, बद्रीप्रसन्न पाण्डेय, समाजसेवी हरिमोहन द्विवेदी, महाविद्यालय प्राचार्य रावेंद्र बहादुर सिंह, शिवसेवक पाठक एवं पटवारी राहुल सिंह को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षक राष्ट्र के नव-निर्माता: गोकुल प्रसाद त्रिपाठी

इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक गोकुल प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के नव-निर्माता हैं। किसी भी देश की मजबूत नींव उसके शिक्षित और संस्कारित नागरिकों से तैयार होती है और इन नागरिकों के निर्माण में शिक्षक की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला, संस्कार, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। ग्राम पंचायत बड़ाछ में आयोजित यह सम्मान कार्यक्रम इसी सकारात्मक सोच का उदाहरण बना, जहां शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मान दिया गया और समाज में शिक्षा के महत्व का संदेश पहुंचाया गया।

प्रथम स्थान पर एनसीबी टीम,द्वितीय पर यदुवंशी बटालियन रही

कृष्ण जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ स्पर्धा आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

जन्म अष्टमी के अवसर पर नीम चौराहे हनुमान मंदिर के सामने युवा समाज सेवी अनूप सिंह चंदेल,नीरज यादव और समस्त व्यापारियों द्वारा मटकी फोर प्रतियोगिता आयोजित की गई। आयोजक अनूप सिंह चंदेल ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के जन्म के उपलक्ष्य पर सदियों से यह प्रथा चली आ रही है जिससे समाज में हम सभी एक साथ भाईचारे के साथ मनाते आये है। हमें भगवान कृष्ण जी के जीवन से सीखने की जरूरत है, कठिन से कठिन समय में अपना धैर्य बनाये रखना चाहिये। जिससे सरल और आसान रास्ता निकल आता है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी संविदाकार के.डी.सिंह,

कार्यपालन यंत्री आशीष बेन,सुनील यादव वरिष्ठ समाजसेवी अनूप सिंह, वार्ड 9 के पार्षद सतीश सिंह, विश्वविद्यालय थाना प्रभारी हितेन्द्रनाथ शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मानवेन्द्र सिंह नीरज, अनिल सिंह, समाजसेवी अविराज उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में स्थानीय नागरिको,युवाओ और श्रद्धालुओ ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान नीम चौराहा श्रीकृष्ण भक्ति के उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। प्रतिभागियो ने पूरे जोश और उमंग के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मटकी फोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एन.सी.बी. टीम द्वितीय स्थान यदुवंशी बटालियन, चार और टीम रोलेक्स टीम, टाइगर ग्रुप, रैदास ग्रुप, फिजकल फिटनेस ग्रुप ने भाग लिया था। विजेता टीम को ट्राफी एवं 5100 रूपये नगद पुरस्कार दिया गया एवं उपविजेता को ट्राफी एवं 2100 रूपये नगद पुरस्कार दिया गया। उपस्थित अतिथियो ने भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना कर सभी को जन्म अष्टमी की शुभकामनाये दी। इस दौरान नवीन सिंह बघेल, रवि सुमित सिंह, निशांत सिंह, भैया चौबे, नारायण सिंह, रणविजय यादव लाली, शनि चौबे, उमेश पाल, पवन, सद्दाम चौहान, रवि रावत एवं कई युवा व्यापारी साथी उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि से देवखर में गिरे गरीबों के कच्चे मकान, समाजसेवी विजय ने कराया सर्वे

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के जवा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देवखर पिछले करीब 15 दिनों से बाढ़ और अतिवृष्टि की समस्या से जूझ रही है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण ग्राम पंचायत क्षेत्र में कई गरीब परिवारों के कच्चे मकान पूरी तरह से गिरकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मकान गिरने से परिवारों के घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। समाजसेवी विजय तिवारी (सिंकू) ने बताया कि दिनांक 04 सितंबर को उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) एवं तहसीलदार से फोन पर चर्चा कर प्रभावित परिवारों को राहत एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग रखी। अधिकारियों द्वारा तत्काल पटवारी को सर्वे के लिए भेजा गया। इसके बाद ग्राम पंचायत देवखर के पटवारी राजेश गौतम को साथ लेकर घर-घर जाकर बारिश और अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कराया गया।

सर्वे के दौरान मथुरा प्रसाद विश्वकर्मा, लवलेश आदिवासी, पन्नालाल विश्वकर्मा, रामजी यादव मरवा, श्रीनिवास विश्वकर्मा सहित अन्य प्रभावित गरीब परिवारों की सूची तैयार की गई है। विजय तिवारी ने अनुविभागीय अधिकारी जवा से मांग की है कि अतिवृष्टि से प्रभावित गरीब परिवारों को उनके मकान एवं घरेलू सामान के हुए नुकसान का उचित मुआवजा जल्द से जल्द दिलाया जाए, ताकि संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके।

संपादकीय

आर्थिक असमानता की खाई

भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रहेगी। यह विकास दर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान युद्ध का कालखंड रहा है। युद्ध के कारण तेल-गैस, उर्वरक, खाद्य और अन्य सामान के संकट दुनिया ने झेले हैं और युद्ध अब भी जारी है। सप्लाई चेन अब भी बाधित है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी लगभग बंद है। ईरान का डंडा चल रहा है, बेशक अमरीका कुछ भी दावे करे। युद्ध के अलावा, अल-नीनो और ट्रंपवादी टैरिफ के प्रभाव भी रहे हैं, लिहाजा भारत की वास्तविक जीडीपी की यह दर और नॉमिनल जीडीपी की 10.3 फीसदी विकास दर, यकीनन, बेहतर अर्थव्यवस्था के प्रमाण हैं। 1.99 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह भी एक रिकॉर्ड है। कमोबेश भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत' नहीं है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उगला था। भारत का खनन क्षेत्र 'नकारात्मक' (-2.4 फीसदी) रहा है, लेकिन कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग, निर्माण, सर्विस, व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाएं, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन आदि क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि पिछले साल की तुलना में कृषि की विकास दर ने 0.8 फीसदी का गोता खाया है, फिर भी यह 3.6 फीसदी रही है। मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र में बढ़ोतरी क्रमश: 10.7 और 10 फीसदी दर्ज की गई है। उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर भी 5.2 फीसदी आंकी गई है। जीडीपी गणना की प्रक्रिया और प्रणाली पर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने लगातार सवाल उठाए हैं। वे इसमें 2.5 फीसदी के 'फर्जीवाड़े' का आकलन करते रहे हैं। बहरहाल सवाल और जिज्ञासा यह है कि जीडीपी के ये आंकड़े देश के शीर्ष 100 अरबपतियों की तीन गुना बढ़ी संपत्तियों की बदौलत हैं अथवा इसमें देश के कामकाजी वर्ग, श्रम-बल, निजी खपत और निवेश के भी आंकड़े शामिल हैं? यदि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर लगभग यही रही है या 7 फीसदी के करीब रही है, तो देश की प्रति व्यक्ति आय 2.35 लाख-2.72 लाख रुपए के बीच क्यों है? भारत दुनिया में 144-149वें स्थान तक क्यों रहता है? जर्मनी और जापान की प्रति व्यक्ति आय क्रमश: करीब 54-55 लाख रुपए और 29-30 लाख रुपए है। दोनों देश तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। कोई तुलना है क्या? क्रय-शक्ति समता के आधार पर भी भारत 121-125वें स्थान पर क्यों है? भारत और जापान की जीडीपी में कोई खास अंतर नहीं है। बहरहाल 'आर्थिक असमानता' की यह खाई कब तक भरी जाएगी? अरबपतियों की दौलत तो बढ़ती रहेगी, लेकिन आम आदमी की औसत आमदनी 1 फीसदी भी क्यों नहीं बढ़ पाई है? सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही, 18-29 साल के आयु-वर्ग के 14.8 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त 29.4 फीसदी युवाओं के पास निश्चित, स्थिर काम नहीं है। नीट श्रेणी के 40.1 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। क्या इनसे भयावह यथार्थ कोई और हो सकता है? बेशक सरकार दावा कर रही है कि देश की बेरोजगारी दर 5.1 फीसदी है। यदि युवा जैसी सबसे उर्वर आयु और जमात बेरोजगार है, तो कौन-सी आर्थिकी 'बम-बम' है? एक और डराने वाला आंकड़ा सामने आया है कि करीब 8 करोड़ लोग वापस कृषि की ओर चले गए हैं। वे रोजगार में हैं अथवा बेरोजगार हैं, सरकार और नीति आयोग स्पष्ट करें। बेशक शेयर बाजार में विदेशी निवेशक बढ़े हैं, बीते एक साल में करीब 30 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है, देश में 18 करोड़ ईपीएफ के नए खाते खुले हैं, लेकिन अभी यह विकास आश्वस्त करने वाला नहीं है। देश के आर्थिक विकास के लिए युवाओं को रोजगार प्रदान करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र में सरकारों के पास इतनी नौकरियां नहीं हैं कि सभी को सरकारी रोजगार दिया जा सके। इसलिए सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देना होगा, ताकि वह युवाओं को वांछित संख्या में रोजगार दे सके।

5 सितंबर शिक्षक दिवस पर विशेष

राष्ट्र निर्माता शिक्षक का सम्मान एक ही दिन क्यों?

डॉ.अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस, मप्र

शिक्षक दिवस राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के नमन का दिन है जो ज्ञान की रोशनी से विद्यार्थियों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। जो अपने विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपना वर्तमान समर्पित कर देते हैं। वे जो वर्तमान पीढ़ी के व्यक्तित्व को परिष्कृत कर राष्ट्र के भविष्य को स्वर्णिम बनाते हैं। वे शिक्षक जो जीवन संग्राम मैं आने वाली चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य अपने विद्यार्थियों में सृजित करते हैं। इन्हीं शिक्षकों की गरिमा और यश को गौरान्वित करने का दिवस है शिक्षक दिवस। शिक्षकों के श्रेष्ठतम कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सार्वजनिक रूप से अलंकृत करने का संकल्प दिवस है शिक्षक दिवस। निसंदेह किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव राष्ट्र निर्माता शिक्षक ही होते हैं। इसीलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों को परमेश्वर से भी पहले सम्मान दिया गया है क्योंकि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के हृदय में शुभ संस्कारों के सर्जक के नाते ब्रह्मा हैं। उनके रक्षण वर्धन के नाते विष्णु और अशुभ संस्कारों, अन्तरविकारों को नष्ट करने के कारण

शिव है अर्थात ब्रह्मा विष्णु और महेश के समन्वित स्वरूप का दूसरा नाम ही गुरु है। जिस प्रकार कुम्हार बाहर से घड़े को ठोकता पीटता है तथा भीतर से हाथ का सहारा देकर खोट निकालकर लोकोपयोगी घट का निर्माण करता है। उसी प्रकार आदर्श शिक्षक भीतर से अपनी सहानुभूति का सहारा देता हुआ ऊपर से आवश्यकतानुसार चोट मारकर गढ गढ कर अपने शिष्य का शुभ निर्माण करता है। कबीरदासजी कहते हैं- गुरु कुम्हार सिख कुंभ है, गढि गढ़ि काढै खोट। अंतर हाथ सहारे दै, बाहर- बाहर चोट। ऐसे सुनिर्मित विद्यार्थी ही राष्ट्र के भावी कर्णधार और होते हैं। यदि शिक्षक अपने छात्रों का निर्माण ठीक से न करें तो उसकी गलती राष्ट्र के भविष्य में झलकती है। महर्षि अरविंद कहते हैं कि अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुरमाली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींच सींच कर महाप्राण शक्तियां बनाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को भी यह समझ लेना चाहिए की यह तन विष की बैलरी गुरु अमरित की खान, सीस दिए जो गुरु मिले तो भी सस्ता जान।

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति थे। इन्होंने कबीरदास की भांति शिक्षकों की महिमा को मंडित करने के लिए अपने प्रशंसकों द्वारा उनका जन्मदिवस सार्वजनिक रूप से मनाने के आग्रह पर अपना जन्मदिवस शिक्षकों के नाम समर्पित कर दिया। और 1962 से प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा।

किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका अप्रतिम होती है जैसा कि चाणक्य कहते हैं कि शिक्षक कभी साधारण नहीं होता प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं। डॉ. राधाकृष्णन का मत है कि शिक्षक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक परंपराएं और तकनीकी कौशल पहुंचाने का केंद्र है। हेनरी ब्रुक्स एडम्स कहते हैं कि एक शिक्षक अनंत काल को प्रभावित करता है,वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहां रुकता है।

डॉ.भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव, अधिकार प्राप्ति और मुक्ति का सबसे शक्तिशाली साधन माना। उनकी दृष्टि में शिक्षक राष्ट्र रूपी रथ का सारथी है नौकरी करने वाला मास्टर नहीं। शिक्षा केवल किताबों से ही नहीं मिलती, वह शिक्षक के आचरण और व्यवहार से भी मिलती है। इसलिए शिक्षक में करुणा, समता और बंधुता का भाव होना चाहिए। वह प्रज्ञावान शीलवान और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाला योग्य शिक्षक होना चाहिए। जिस धरा पर कबीर ने गुरु की महिमा को गोविंद से पहले ये कह कर मंडित किया कि हरि रूठै गुरु ठौर है, गुरु रूठै नहीं ठौर, उसी धरा पर क्या शिक्षकों की गरिमा का सम्मान सिर्फ एक दिन होना चाहिए? क्या ये संभव नहीं है कि शिक्षक जो न केवल राष्ट्र निर्माता चरित्र निर्माता हैं उसकी महिमा का सम्मान निरंतर करें क्योंकि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ एक दिन में नहीं होता है, वरन उसके लिए अनवरत साधना होती है और शिक्षक भी किसी एक दिन में ही अपने विद्यार्थियों को संपूर्ण नहीं बना देते, वरन वे प्रतिदिन इस दिशा में समर्पण भाव से क्रियाशील रहते हैं। अत: ऐसे आदर्श शिक्षक ही वर्ष में सिर्फ एक दिन नहीं वरन प्रतिदिन प्रतिपल प्रतिक्षण सम्मान के पात्र होते हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में शिक्षा और समाज का शाश्वत संबंध रहा है। सभ्यता के प्रारंभ से ही वैविध्यपूर्ण भारतीय समाज में वेदों उपनिषदों पुराणों के जीवन दर्शन और धर्म की शिक्षा पर स्पष्ट छाप रही है। नालंदा,तक्षशिला, विक्रमशिला भारतीय शिक्षा पद्धति के गौरवशाली बौद्धिक स्मारक हैं। गुरु और शिष्य का आदर्शात्मक संबंध अलौकिक था।नगर के कोलाहल से दूर गुरुकुल व्यवस्था में संघर्षों से मुक्त बौद्धिक शक्ति, चरित्र बल और आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो कर सांसारिक जीवन में उनका प्रवेश अर्थ धर्म काम और मोक्ष के पुरुषार्थ की सिद्धि में सहायक होकर पूर्ण मनुष्य का निर्माण करने वाली थी। किन्तु मध्यकालीन भारतीय समाज में शिक्षा प्रदान करने के प्रमुख माध्यम मकतबा और मदरसे बने रहे जिसके कारण शिक्षा का क्षेत्र बहुत सीमित हो गया। इसके पश्चात आए अंग्रेजों ने शिक्षा के रहे सहे अस्तित्व को भी विकृत कर दिया। अंग्रेज भारतीयों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा देने के पक्ष में नहीं थे। सन 1835 में मैकाले ने कहा कि हमें एक ऐसा वर्ग पैदा करना चाहिए जो हमारे और करोड़ों लोगों के बीच जिन पर हम शासन करते हैं, दुभाषिये का काम कर सके। ऐसे व्यक्तियों का वर्ग जो रंग और रक्त से भारतीय हो किन्तु रुचियों, विचारों, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हों। आज़ादी के बाद देश में शिक्षा के बहु आयामी विकास के लिए अनेक स्तरों पर पहल की गई, किंतु मुख्य प्राथमिकता गुणात्मक शिक्षा के स्थान पर परिमाणात्मक विकास पर केंद्रित होने से शिक्षा का चरित्र उपनिवेशवादी बना रहा। आधुनिक राष्ट्रय शिक्षा नीति 2020 भारत की आत्मा और भारतीयता की उद्घोषणा है। यह ऐसी प्रथम शिक्षा नीति है जो भारतीय व्यक्तियों के विचारों के अनुकूल है। हमारे होनहार बच्चों में ज्ञान विज्ञान के मूल स्रोत को जागृत करना इस नीति का मुख्य ध्येय है।यह अंग्रेजों की उस साजिश को भी समाप्त करने का कार्य करती है जिसमें उन्होने भाषा के आधार पर भारतीयों में हीन भावना पैदा करने का प्रयास किया था। यह नागरिक आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और भविष्य के भारत की नींव है।

शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहने भर से राष्ट्र का निर्माण नहीं होता जब तक कि शिक्षक को अपने दायित्व निर्वहन में पूरी आज़ादी न दी जाए। शिक्षकों के सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक उत्थान के बिना राष्ट का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। शिक्षक यदि तनाव से मुक्त आनन्द से युक्त और व्यर्थ की गुलामी से मुक्त है , राजनीति के विषैले वातावरण से ग्रस्त नहीं है,प्रशासन के अनावश्यक हस्तक्षेप से मुक्त है, विद्यालय में प्रवेश के लिए संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है, कोचिंग संस्थानों पर प्रतिबंध है, प्रेरणा और प्रोत्साहन का वातावरण है तभी वह शिक्षा को सही अर्थों में घटित कर सकता है। अन्यथा वह अपने शिक्षकीय दायित्व के साथ न्याय नहीं कर सकेगा।यह कटु सत्य है कि शिक्षक यदि भूखा है तो समझिए ज्ञान का सागर भी सूखा है।

मेरी दृष्टि में शिक्षकीय दायित्व बहुत पवित्र किन्तु कठिन है। गगन को चूमती हुई अट्टालिकाओं को निर्मित करना सरल है। उफनती नदी के वेग को नियंत्रित कर नहरें निर्मित करना भी सरल है। चट्टानों के सीने चीर कर सड़कें बनाना भी सरल है, किंतु राष्ट्र के लिए एक आदर्श और उपयोगी पीढ़ी को निर्मित करना बहुत कठिन है।यह कठिन दायित्व हमारे प्रथम गुरु पूज्य माता और पिता के बाद शिक्षक निभा रहे हैं।

हमारे हाथों की उंगलियां एक जैसी नहीं होती। किसी तालाब में कुछ गंदी मछलियाँ हों तो वह पूरा तालाब गंदा नहीं हो जाता। शिक्षकीय समुदाय संख्या की दृष्टि से बहुत विशाल है। हो सकता है कि कुछ शिक्षक अपने निजी स्वार्थ के लिए राजनीति के विषैले माहौल में रहते हों। कुछ शिक्षक निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन भी नहीं करते। समय पर विद्यालय नहीं आते। कुछ साधारण शिक्षक हैं जो पढ़ाते हैं। कुछ श्रेष्ठ शिक्षक हैं जो व्याख्या करते हैं और कुछ उत्कृष्ट शिक्षक भी हैं जो छात्रों के मन में सीखने की जिज्ञासा पैदा करते हैं । अत: हम समग्र शिक्षक समुदाय को लांछित नहीं कर सकते। वे शिक्षक जो अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई के प्रावधानों से ठीक किया जा सकता है। सोशल मीडिया, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चमत्कारी दौर में भी शिक्षक अनेक चुनौतियों और विषमताओं के बावजूद ज्ञान की रश्मियों से अपने विद्यार्थियों को आलोकित कर रहे हैं।उनमें जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझने का जीवट सृजित कर रहे हैं। उनके चिंतन के क्षितिज का विस्तार कर उनके विचारों के वैभव को निखार रहे हैं। तभी तो यह देश आगे बढ़ रहा है प्रगति कर रहा है। आज हमारे देश में विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों के जो नित नए आयाम स्थापित हो रहे हैं उसकी बुनियाद में कहीं न कहीं हमारे शिक्षकों का समर्पण भी है। तो ऐसी स्थिति में शिक्षकों का सम्मान सिर्फ एक दिन ही क्यों। वर्ष के बाकी 364 दिन क्यों नहीं होना चाहिए।

हमारे देश में ऐसे आदर्श शिक्षकों की कमी नहीं है जिनका जीवन प्रेरणा और प्रोत्साहन का प्रकाश स्तम्भ है। एक विद्यालय तीन विद्यार्थी विलंब से पहुंचे, तब तक प्रार्थना समाप्त हो चुकी थी। स्कूल के प्राचार्य ने इन चारों को स्कूल के मैदान में तीन चक्कर लगाने की सजा दी। तीनों विद्यार्थी प्राचार्य के आदेश के पालन में मैदान के चक्कर लगाना शुरू कर दिए। दो चक्कर लगाने के बाद उन्होंने देखा कि उनके पीछे पीछे प्राचार्य जिनकी उम्र लगभग पचपन वर्ष की रही होगीभी हांफते हुए दौड़ रहे हैं। छात्रों ने रुककर प्राचार्य से पूछा सर आप किस लिए दौड़ रहे हैं? तब प्राचार्य ने जो उत्तर दिया वह उनके आदर्श चरित्र की पराकाष्ठा है। प्राचार्य ने कहा कि मेरी तमाम कोशिशों के बाद भी यदि मैं छात्रों को अनुशासन और समय की महत्ता नहीं समझा सका तो इसका अर्थ है कि मेरे प्रयासों में ही कहीं त्रुटि है। इसलिए जितनी गलती आपकी है उससे ज्यादा मेरी गलती है। चूंकि मुझे कोई सजा नहीं दे सकता इसलिए मैंने अपनी सजा खुद ही तय कर दी है और जब तक मैं इस स्कूल के विद्यार्थियों को समय का अनुशासन नहीं समझा पाऊंगा तब तक मैं भी उनके साथ मैदान के चक्कर लगाऊंगा। क्या ऐसे आदर्श शिक्षक के सम्मान में हमें श्रद्धावनत नहीं होना चाहिए।

84 महादेव : 46वाँ अध्याय

वीरेश्वर महादेव : मूल नक्षत्र में जन्मे बालक और तप की विजय

डॉ. नवीन आनंद जोशी

उज्जैन के महाकाल वन में प्रतिष्ठित 84 महादेवों की परंपरा आस्था, पौराणिक आख्यानों और आध्यात्मिक संदेशों की अनुपम धरोहर है। इसी पावन परंपरा में वीरेश्वर महादेव की कथा त्याग, मातृ-ममता, तपस्या और शिव-कृपा की अद्भुत गाथा के रूप में सामने आती है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार अमित्रजित नामक एक धर्मपरायण राजा हुए। देवर्षि नारद के निर्देश पर वे पाताल लोक की चंपावती नगरी पहुंचे। वहां उन्होंने कंकालकेतु नामक दानव का वध किया और विद्याधर-कन्या मलयगंधिनी को उसके बंधन से मुक्त कराया। इसके बाद दोनों का विवाह हुआ और वे अवंतिका लौटकर भगवान शिव की आराधना में लीन हो गए।

रानी मलयगंधिनी ने माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए अभीष्ट तृतीया का व्रत किया। उनकी कठोर साधना से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें शिवांश से युक्त एक तेजस्वी पुत्र का वरदान दिया। समय आने पर पुत्र का जन्म हुआ, लेकिन राजदरबार के ज्योतिष-विद्वानों ने बताया कि उसका जन्म 'अभुक्त मूल' में हुआ है। उस समय प्रचलित मान्यताओं के प्रभाव में रानी ने राजा और पुत्र, दोनों के मंगल की कामना से नवजात शिशु को विकटा देवी के मंदिर में एक सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

कथा के अनुसार, कुछ योगिनियों की दृष्टि उस बालक पर पड़ी। उन्होंने उसे अपने संरक्षण में लिया और उसे शिक्षा, संस्कार तथा जीवनोपयोगी ज्ञान प्रदान किया। सोलह वर्ष बाद जब वह बालक अवंतिका लौटा, तब माता-पिता से उसका पुनर्मिलन अत्यंत भावुक था। वर्षों का विरह मां के स्नेहिल आलिंगन में जैसे पिघलकर बह गया।

इसके बाद राजकुमार ने राजसी वैभव के बजाय भगवान शिव की कठोर तपस्या को अपना जीवन-पथ चुना। उसकी साधना से प्रसन्न होकर भगवान शिव ज्योतिर्मय स्वरूप में उसके सामने प्रकट हुए। राजकुमार ने सांसारिक सुख-सुविधाओं का वरदान नहीं मांगा, बल्कि भव-बन्धन से मुक्ति की कामना की। उसकी तपस्या से संबद्ध शिवलिंग आगे चलकर वीरेश्वर महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

मूल नक्षत्र : भय नहीं, गहराई

पारंपरिक ज्योतिष में 'मूल' का अर्थ जड़ या मूल कारण माना जाता है। इसे गहन चिंतन, जिज्ञासा और सत्य की खोज से भी जोड़ा जाता है। हालांकि ये सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं हैं, वैज्ञानिक दृष्टि से जन्म नक्षत्र के आधार पर जीवन के परिणाम निर्धारित होने का कोई निर्णायक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

वीरेश्वर महादेव की कथा का संदेश अत्यंत स्पष्ट है—जन्म की परिस्थिति मनुष्य की शुरुआत हो सकती है, उसकी पहचान नहीं। उसकी वास्तविक पहचान संस्कार, कर्म, तपस्या, संकल्प और पुरुषार्थ से बनती है।

इसलिए मूल नक्षत्र को भय की दृष्टि से देखने के बजाय ज्ञान, आत्मविश्वास और आत्मविकास की संभावनाओं के रूप में देखना अधिक सार्थक है। यही वीरेश्वर महादेव की पावन गाथा का शाश्वत संदेश है।

किताबी ज्ञान से आत्मनिर्भरता तक - सच्चे गुरु की कसौटी

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'
लेखक/पत्रकार

शिक्षक हमे मात्र शिक्षित ही नहीं करता बल्कि हमारे पास उपलब्ध ज्ञान को एक दिशा प्रदान करता है जिस पर चलकर हम एक सफल जीवन जीने की राह मिलती है। शिक्षक हमारी क्षमताओं को इस तरह तराशता है कि हम समाज में आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी सकें। शिक्षक को अक्सर हम ब्लैकबोर्ड और किताबों तक सीमित कर देते हैं, लेकिन उसका असली काम कुम्हार जैसा है। जैसे कुम्हार गीली मिट्टी को आकार देकर घड़ा बनाता है, वैसे ही शिक्षक हमारे अंदर की कच्ची प्रतिभा को आकार देता है। डिग्री तो हमें नौकरी के लिए योग्य बनाती है, पर शिक्षक के दिए संस्कार हमें जीवन के लिए योग्य बनाते हैं। इतिहासकारों, विचारकों और दार्शनिकों के अनुसार शिक्षक केवल किताबी ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज की दिशा और दशा तय करने वाला मुख्य शिल्पकार है।

शिक्षक पर प्रमुख विचार:-भविष्य के निर्माता: महान दार्शनिकों और इतिहासकारों का मानना है कि शिक्षक समाज की नींव को मजबूत करते हैं। वे विद्यार्थियों में वैचारिक स्पष्टता, नैतिकता और तार्किक सोच विकसित करते हैं।

सोचने की प्रेरणा: भारत के पूर्व राष्ट्रपति और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के अनुसार, सच्चा शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूंस दे, बल्कि वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे और सोचने की प्रेरणा दे।

मार्गदर्शक और परिवर्तनकारी शक्ति: इतिहास इस बात का गवाह है कि चाणक्य जैसे आचार्यों ने साधारण बालकों को चंद्रगुप्त जैसे सम्राट और राष्ट्र निर्माता में बदल दिया। शिक्षकों का प्रभाव केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ी और सभ्यताओं पर पड़ता है। सत्य और समावेशी दृष्टि का विकास: जेम्स डब्ल्यू. लोवेन जैसे आधुनिक इतिहासकारों ने माना है कि एक अच्छा शिक्षक छात्रों को रूढ़िवादी या अधूरे इतिहास से बाहर निकालकर एक ईमानदार, तार्किक और समावेशी दृष्टिकोण देना सिखाते हैं।

शिक्षक की मुख्य भूमिकाएँ-

* **कार्यक्षमता का विकास-** हर बच्चे में कोई न कोई छिपी हुई प्रतिभा होती है। कोई चित्रकला में अच्छा है तो कोई गणित में, कोई बोलने में निपुण है तो कोई हाथ के हुनर में। सच्चा शिक्षक उस छिपी प्रतिभा को सबसे पहले पहचानता है। वह सिर्फ सबसे होशियार बच्चे पर ध्यान नहीं देता, बल्कि कमजोर से कमजोर बच्चे में भी वह चिंगारी ढूंढ लेता है और उसे हवा देता है। वह उसकी कार्य कुशलता को निखारता है ताकि वह भीड़ में भी अपनी अलग पहचान बना सके।

सही मार्गदर्शन- जीवन में कई मोड़ आते हैं जहां सही और गलत में फर्क करना मुश्किल होता है। किताबें हमें फॉर्मूले सिखा सकती हैं, जीवन के फैसले लेना नहीं। यहीं पर शिक्षक एक दीये की तरह काम करता है। वह हमें डांटता भी है, रोकता भी है, लेकिन उसके पीछे स्वार्थ नहीं, चिंता होती है।हमें सिखाता है कि नकल करके पास होने से बेहतर है, मेहनत करके फेल होना। यह ईमानदारी का पाठ ही आगे चलकर हमारा चरित्र बनता है।

आत्मनिर्भरता- शिक्षक का अंतिम लक्ष्य हमें अपने पैरों पर खड़ा करना होता है। उनकी दी गई शिक्षा संस्कार हमें इस योग्य बनाते हैं कि हम किसी पर बोझ न बनें, बल्कि समाज में सिर उठाकर जी सकें। आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ पैसा कमाना नहीं, बल्कि अपने निर्णय खुद लेना, अपनी जिम्मेदारी खुद उठाना भी है।

सीमाओं से परे शिक्षक: दुनिया के प्रेरणा स्रोत गुरु

डॉ. आशीष कुमार यादव
लेखक विजिटिंग फैकल्टी
राजनीति विज्ञान विभाग
जबलपुर (म.प्र.)

शिक्षक दिवस ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा से भविष्य गढ़ने वाले गुरुजनों को नमन, शिक्षक की भूमिका किसी देश, भाषा या सीमा तक सीमित नहीं होती। संसार के हर समाज में शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई महान शिक्षकों ने अपने विद्यार्थियों के जीवन के साथ-साथ पूरे समाज और दुनिया की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐनी सुलिवन अमेरिका की शिक्षिका थीं। उनकी छात्रा हेलेन केलर देख और सुन नहीं सकती थी। ऐनी सुलिवन ने धैर्य और विशेष तरीकों से उन्हें भाषा सीखने में मदद की। आगे चलकर हेलेन केलर एक प्रसिद्ध लेखिका और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनीं। मारिया मोंटेसरी ने बच्चों को पढ़ाने की एक नई पद्धति विकसित की। उनका मानना था कि बच्चों को केवल किताबों से नहीं बल्कि खेल, गतिविधियों और अनुभवों के माध्यम से सिखाना चाहिए। आज दुनिया के अनेक देशों में मोंटेसरी शिक्षा पद्धति अपनाई जाती है। सुकरात एक महान शिक्षक और दार्शनिक थे। उनका पढ़ाने का तरीका अलग था। वे विद्यार्थियों को सीधे उत्तर देने के बजाय सवाल पूछते थे ताकि विद्यार्थी स्वयं सोचकर सही उत्तर तक पहुँच सकें। भारतीय संस्कृति में गुरु को अत्यंत सम्मान दिया गया है। आज के डिजिटल युग में इंटरनेट और तकनीक के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना आसान है, किंतु तकनीक हमें सूचना दे सकती है लेकिन शिक्षक हमें विवेक, संस्कार और दिशा देता है। सीमाएं देशों की हो सकती हैं, भाषाओं की हो सकती हैं, लेकिन ज्ञान और गुरु की प्रेरणा की कोई सीमा नहीं होती। शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि राष्ट्र का भविष्य केवल संसद, संस्थानों या नीतियों में नहीं बनता; उसका निर्माण कक्षाओं में भी होता है।

कॉलेजियम प्रणाली पर देशव्यापी चिंता, राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग असंवैधानिक, रास्ता क्या?

विनय झैलावत

हाल ही में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां द्वारा कॉलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता नहीं होने की आलोचना करने के बाद यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के कारणों का खुलासा नहीं होने से न्यायपालिका का नुकसान हो रहा है। नियुक्ति न किए जाने का कारण न बता कर कॉलेजियम ऐसे न्यायाधीशों के साथ अन्याय कर रहा है, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। इस तरह हम न्यायपालिका में कुछ ऐसे लोगों को प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं, जो बाद में समाज के एक वर्ग के लिए 'चींटियां' जैसी असांविधानिक टिप्पणियां करते हैं और उनका कुछ नहीं होता।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में ऐसे लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए चर्चा होनी चाहिए और कारण बताए जाने चाहिए। खुली अदालतों व जनता के जानने के अधिकार का सिद्धांत न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में भी लागू होना चाहिए। लोगों को जानने का अधिकार है कि उनके न्यायाधीश कौन होंगे? उन्होंने कैसे फैसले दिए हैं? न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि न्यायाधीशों की पदोन्नति-तबादलों पर विचार-विमर्श गोपनीय रहता है और किसी सिफारिश को अस्वीकार या स्थगित करने के कारणों का खुलासा शायद ही कभी किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश के एक न्यायिक अधिकारी की रिट याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। उक्त न्यायिक अधिकारी ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए अपने नाम पर विचार करने की मांग की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम को कोई न्यायिक निर्देश नहीं दिया जा सकता। याचिकाकर्ता अरविंद मल्होत्रा अभी धर्मशाला में फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज हैं। उनकी शिकायत थी कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके जूनियर्स के नाम उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हेतु आगे बढ़ाए। इन पर बाद में सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने भी मंजूरी दी। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि सितंबर, 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय कॉलेजियम को याचिकाकर्ता और एक अन्य न्यायाधीश के नाम पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया था। हालांकि, याचिकाकर्ता के मामले में ऐसा नहीं किया गया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना व न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे पता चले कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने याचिकाकर्ता का नाम खारिज कर दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्हें कुछ दस्तावेज जमा करने को कहा गया था। लेकिन, उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके जूनियर्स का नाम सुप्रीम कोर्ट को भेज दिया। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश की थी। 2024 में दो जिला न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की। उनका तर्क था कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए नामों की सिफारिश करते समय उनकी योग्यता और वरिष्ठता को नजरअंदाज किया। सितंबर 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार की और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से उनके नामों पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया।

संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की सिफारिश एक समिति द्वारा की जाती है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं। यह प्रस्ताव दो वरिष्ठतम सहयोगियों के परामर्श से संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया जाता है। सिफारिश मुख्यमंत्री को भेजी जाती है, जो केंद्रीय कानून मंत्री को प्रस्ताव राज्यपाल को भेजने की सलाह देता है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति इस आधार पर की जाती है कि वह राज्य से बाहर का व्यक्ति होगा। संविधान के अनुच्छेद 224(ए) के तहत सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों से निपटने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति पर जोर दिया है। अदालत ने तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति व कार्यपद्धति हेतु मौखिक दिशा-निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति में अत्यधिक देरी से न्यायाधीशों की घटती संख्या न्याय वितरण तंत्र को प्रभावित कर सकती है। औपचारिक मानदंडों की अनुपस्थिति के कई चिंताजनक निहितार्थ हैं। वर्तमान में यह जांचने हेतु कोई प्रक्रिया नहीं है कि कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित किसी जज के हितों का कोई टकराव है या नहीं। कॉलेजियम प्रणाली संरचनात्मक रूप से समाज के विशेष वर्गों का पक्ष लेती है तथा आबादी के उन समूहों से काफी दूर है, जिनके न्याय हेतु वह प्रतिनिधित्व करना चाहती है। 99वें सांविधानिक संशोधन अधिनियम, 2014 के जरिये कॉलेजियम को राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित करने का प्रयास किया गया था। पर, सर्वोच्च न्यायालय की सांविधानिक पीठ ने 2015 में आयोग को असांविधानिक घोषित करते हुए कहा कि यह भारत के संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है, जो न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है। साफ है कि कॉलेजियम प्रणाली को लेकर एक देशव्यापी चिंता है।

संक्षिप्त समाचार

परेशानी : शिक्षकों ने ई अटेंडेंस लगाई, मैसेज आया अनुपस्थिति का

भोपाल। शिक्षक दिवस के दिन विद्यालयों में पहुंचकर ई अटेंडेंस लगा चुके सैकड़ों शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यालय में मौजूद होने के बाद भी अनुपस्थिति होने का मैसेज भेजा। एप के जरिए मिले ऐसे मैसेज से शिक्षक परेशान हुए और इस मामले में विभाग के अधिकारियों को संज्ञान में लेकर विद्यालय में हाजिर होने के बाद भी गैर हाजिर होने का मैसेज आने पर तकनीकी गड़बड़ी सुधारने की मांग की है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर शिक्षकों की परेशानियां लगातार सामने आ रही हैं। शिक्षकों ने एप को अपडेट करने की मांग की। कई शिक्षक निर्धारित शाला समय पर विद्यालय पहुंचकर हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ई-अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं और पूरे समय विद्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

रेत स्टॉक में मिली गड़बड़ी 27.44 करोड़ का जुर्माना

कटनी। जिले में रेत के भंडारण और परिवहन से जुड़े एक मामले में कलेक्टर न्यायालय ने बड़ी कार्रवाई की है। सेंड पोर्टल पर दर्ज रेत के स्टॉक और मौके पर उपलब्ध वास्तविक मात्रा में भारी अंतर मिलने पर मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड पर 27 करोड़ 44 लाख 29 हजार 650 रुपये का जुर्माना लगाया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष तिवारी ने फर्म को निर्धारित राशि जमा कराने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के नियम 19 के तहत की गई। जांच के दौरान पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और भौतिक रूप से उपलब्ध रेत के बीच 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का अंतर पाया गया। दरअसल, जिले में स्वीकृत खनिज रेत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों पर 30 सितंबर 2023 की रात 12 बजे सेंड पोर्टल पर दर्ज शेष स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया था। इसी दौरान तहसील विजयराघवगढ़ के ग्राम पुरैनी में खसरा क्रमांक 43/1, 43/2 और 43/3 की कुल 1.320 हेक्टेयर भूमि पर संचालित मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के खनिज व्यापारिक अनुज्ञप्ति स्थल का निरीक्षण किया गया।

एटीएम की फोटो भेजते ही खाते से उड़ गए 12 लाख

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में साइबर ठगों द्वारा अलग-अलग तरीकों से दो लोगों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की ठगी को अंजाम देने का मामला सामने आया है। शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए गोरखपुर सीएसपी महादेव नागोटिया ने बताया कि एक मामले में फर्जी ई-मेल के जरिए कारोबारी फर्म के बैंक खाते की जानकारी बदलवाकर 27 लाख 5 हजार 690 रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर करा लिए गए। वहीं दूसरे मामले में मोबाइल संबंधी सहायता और रिफंड का झांसा देकर महिला से एटीएम कार्ड की फोटो हासिल की गई और उसके खाते से 12 लाख रुपये पार कर दिए गए। गोरखपुर थाना क्षेत्र निवासी भावना चौबे ने पुलिस को बताया कि उन्होंने सामने वाले व्यक्ति की बात पर भरोसा करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से अपने एटीएम कार्ड की फोटो भेज दी थी। इसके कुछ ही देर बाद उनके बैंक खाते से रकम निकलने लगी।

दो दिवसीय आयोजन में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर रहेगा मुख्य जोर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन

इंदौर में 11 से होगा परिवहन विजन समिट-2026, नए मॉडल पर किया जाएगा मंथन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

प्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ और तकनीक आधारित बनाने के लिए राज्य सरकार और उद्योग जगत एक मंच पर आएंगे। परिवहन विभाग की ओर से यात्री परिवहन विजन समिट-2026 का आयोजन 11 और 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समिट में मुख्य अतिथि होंगे, जबकि परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समिट का प्रमुख फोकस मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर रहेगा। दो दिवसीय आयोजन में निजी बस ऑपरेटरों के साथ नीति निर्माता, परिवहन प्राधिकरण, बस निर्माता कंपनियां, टेक्नोलॉजी कंपनियां, निवेशक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सहयोग से तथा ईलेट्स टेक्नोमीडिया के आयोजन में होने वाली समिट का उद्देश्य प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक रूप से टिकाऊ और डिजिटल यात्री परिवहन व्यवस्था के लिए साझेदारी के रास्ते तलाशना है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत यात्री परिवहन से जुड़े कई

क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया जाएगा। इनमें बस निर्माण, इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रमुख हैं। इसके अलावा एआई एवं डेटा एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे क्षेत्रों को भी समिट में चर्चा के दायरे में रखा गया है। निजी कंपनियों के लिए तकनीक, इंफ्रा, संचालन और नए कारोबारी मॉडल के जरिए परिवहन नेटवर्क से जुड़ने के अवसर सामने आएंगे। समिट में निजी बस ऑपरेटरों, बस निर्माताओं, टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों, चार्जिंग एवं स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों और मोबिलिटी इनोवेटर्स को सरकार के प्रस्तावित पीपीपी फ्रेमवर्क से जुड़ने का अवसर मिलेगा। प्रतिनिधि अपनी तकनीक और हल के साथ पायलट प्रोजेक्ट तथा संभावित साझेदारियों पर चर्चा होगी। सरकारी अफसरों के साथ पूर्व निर्धारित वन-टू-वन बैठकें भी प्रस्तावित हैं।

कार्यक्रम में मोबिलिटी के भविष्य पर रहेगा फोकस, होगी व्यापक चर्चा

समिट में मध्यप्रदेश की यात्री परिवहन परिकल्पना और भविष्य की मोबिलिटी व्यवस्था पर व्यापक चर्चा होगी। सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और अधिक सुलभ बनाने के साथ इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर रहेगा। आयोजन के केंद्र में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा होगी, जिसे प्रदेश में यात्री परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने की प्रमुख पहल के तौर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और पीएम ई-बस सेवा जैसी राष्ट्रीय पहलों के अनुरूप आधुनिक एवं टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

12 क्षेत्रों पर नजर, सात प्रमुख परिणामों का लक्ष्य : समिट में बस निर्माण से लेकर इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन मोबिलिटी, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त समेत उच्च संभावनाओं वाले मोबिलिटी क्षेत्रों पर चर्चा होगी। आयोजन के जरिए मोबिलिटी विजन 2030 रोडमैप तैयार करने, यात्री परिवहन में पीपीपी मॉडल को बढ़ावा देने, डिजिटल-फर्स्ट मोबिलिटी फ्रेमवर्क विकसित करने और स्वच्छ परिवहन को गति देने पर जोर रहेगा। इसके साथ पायलट प्रोजेक्ट और निवेश के अवसर बढ़ाने तथा सरकार और उद्योग के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे।

शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर 16 दिन बाद हड़ताल खत्म

- पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय ने जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया, जीतू भी पहुंचे

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर नीलम पार्क में 16 दिन से चल रहे आंदोलन में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आंदोलनकारी अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे और शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से फोन पर चर्चा की। मंत्री ने बताया कि अभ्यर्थियों की मांगों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अवगत कराया जा चुका है।

बातचीत के बाद 8 सितंबर को वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने पर सहमति बनी। बैठक के आश्वासन के बाद दिग्विजय सिंह ने अभ्यर्थियों को जूस पिलाकर 16 दिन से जारी भूख हड़ताल खत्म कराई। इस दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी धरना स्थल पर पहुंचे। इधर, अभ्यर्थियों ने साफ किया कि भूख हड़ताल खत्म हुई है, लेकिन धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक पदों में वृद्धि नहीं होती।

बहनों ने मंत्री सारंग को बांधे रक्षासूत्र

भोपाल। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग को शनिवार को वार्ड क्रमांक 71 एवं 79 में आयोजित नरेला रक्षाबंधन महोत्सव के चौथे दिन 31 हज़ार 117 बहनों ने राखी बांधकर अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया।

इंदौर में मादक पदार्थों के नेटवर्क का खुलासा, मुख्य आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

क्राइम ब्रांच ने शहर में ब्राउन शुगर की सप्लाई करने वाले मंदसौर निवासी मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई का खुलासा किया। आरोपी की पहचान अय्यूब कुरैशी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पिछले महीने पकड़े गए एक आरोपी से पूछताछ के दौरान अय्यूब के बारे में जानकारी सामने आई थी। इसके बाद टीम ने उसकी तलाश शुरू की और घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त 2026 को क्राइम ब्रांच की टीम को पंचमुखी हनुमान मंदिर रोड और अरविंदो लवकुश चौराहे के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और राहुल सौदागर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसकी जींस की जेब से 18.89 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 29 भी जोड़ी है। इसके तहत नशीले पदार्थों की अवैध सप्लाई और उससे जुड़े लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। क्राइम ब्रांच अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अय्यूब को ब्राउन शुगर कहां से मिलती थी और इसे इंदौर में किन लोगों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस सप्लाई चेन में कितने लोग शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ और आगे की कार्रवाई के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की भूमिका सामने आ सकती है। क्राइम ब्रांच इंदौर के मुताबिक, 1 जनवरी 2026 से अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 65 मामले दर्ज कर 138 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान आरोपियों के से 2.97516 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई।

ई-रिक्शा चालक के पास 1.80 लाख की ब्राउन

पुलिस ने बरामद ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत करीब 1.80 लाख रुपए बताई है। पूछताछ में राहुल ने पुलिस को बताया कि उसे यह नशीला पदार्थ मंदसौर के रहने वाले अय्यूब कुरैशी से मिला था। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने राहुल की जानकारी के आधार पर अय्यूब की तलाश शुरू की। टीम ने मंदसौर में दबिश देकर अय्यूब कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अय्यूब दिहाड़ी मजदूरी करता है, जबकि राहुल ई-रिक्शा चालक है। जांच में सामने आया है कि अय्यूब इंदौर में ब्राउन शुगर की सप्लाई कर रहा था। इसी आधार पर पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

साइबर ठग गिरोह के आठ सदस्य गिरफ्तार

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगार युवक-युवतियों और उनके परिजनों से लाखों रुपये ऐंठने के बाद उन्हें बंधक बनाकर गिरोह में नए लोगों को जोड़ने के लिए मजबूर करने वाले साइबर ठग गिरोह का झांसी पुलिस ने पर्दाफाश किया है। बबीना थाना और साइबर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से बंधक बनाए गए 50 से अधिक महिला-पुरुषों को मुक्त कराया। मौके से कंप्यूटर, मोबाइल फोन, नकदी, जाली दस्तावेज और अन्य अभिलेख भी बरामद किए गए हैं।

शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसएसपी विकास कुमार ने बताया कि पुलिस को पिछले कई दिनों से शिकायतें मिल रही थीं कि मैसर्स मां लक्ष्मी एसोसिएट के कार्यालय, कृष्णा कॉम्प्लेक्स, एल्डिको राजगढ़ मल्टी कंपनी सेंटोस में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को बुलाया जा रहा है। आरोप है कि पहले उनसे पैसे लिए जाते थे और बाद में उन्हें बंधक बनाकर गिरोह में अन्य लोगों को जोड़ने का काम कराया जाता था।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी के निर्देशन में साइबर थाना, बबीना थाना और बरुआसागर थाना पुलिस की टीम ने मामले की जांच शुरू की। इसके बाद कार्यालय पर छापेमारी कर वहां बंधक बनाए गए 50 से अधिक महिला और पुरुषों को मुक्त कराया गया। पुलिस ने मौके से गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजस्थान के टोंक-नरौली सिसोली निवासी रामसिंह मीणा, लखन मेहता, बबलू, बिहार के धर्मपुरा निवासी आलोक, राजस्थान के देवली निवासी प्रयागराज, टोंक निवासी मोहित वर्मा, सुरेंद्र और नितेश के रूप में हुई है।

पुलिस ने डेढ़ साल से फरार कुख्यात शिकारी शेरु पारधी को दबोचा

बाघ मारकर अंग बेचते...पूर्वोत्तर से म्यांमार तक फैलाया तस्करी का तंत्र

- चीन तक फैला रखा था वन्यजीव तस्करी का यह नेटवर्क

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बाघों को मौत के घाट उतारकर उनकी खाल, हड्डियां और दूसरे अंग विदेशों तक पहुंचाने वाले गिरोह पर मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने बड़ा शिकंजा कसा है। डेढ़ साल से फरार कुख्यात शिकारी शेरु पारधी उर्फ शेरु सिंह को शहडोल के ब्यौहारी में दबोच लिया गया। उसके साथ पत्नी और सह आरोपी बिनौरी बाई भी गिरफ्तार हुई है। दोनों कथित तौर पर एक और वन्यजीव के शिकार की तैयारी में थे। मुखबिर की सूचना पर एमपीएसटीएफ की टीम ने कई दिनों तक निगरानी

रखी। 4 सितंबर को ब्यौहारी में घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा गया। मौके से छुरी, चाकू, कुल्हाड़ी और पक्षी पकड़ने का जाल जब्त हुआ। दोनों को शनिवार विशेष न्यायालय, जबलपुर में पेश कर पांच दिन की वन अभिरक्षा में लिया गया है। बताया जा रहा है कि बालाघाट के बाघ शिकार और अंगों की तस्करी के मामले में चल रही जांच में गिरोह की अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय कड़ियां सामने आई हैं। अब तक पांच राज्यों से 8 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

पूर्वोत्तर से म्यांमार, फिर चीन तक कनेक्शन

शिकार के बाद बाघ की हड्डियां और अन्य अवयव मेघालय, असम और मिजोरम के तस्करों तक पहुंचाए जाने की बात सामने आई है। यहां से इन्हें म्यांमार के सरगना के जरिए अंतरराष्ट्रीय अवैध वन्यजीव बाजार में भेजे जाने का संदेह है। आगे चीन और अन्य देशों में इसकी मांग पूरी करने की आशंका है। जांच के अनुसार गिरोह के सदस्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बाघों का शिकार करते थे। शेरु पारधी कुख्यात बाघ शिकारी अजीत पारधी का भाई बताया गया है। उसके खिलाफ कर्नाटक में 2002 और महाराष्ट्र में 2013 में वन अपराध दर्ज हैं। एक मामले की जांच सीबीआई द्वारा की गई थी।

जबलपुर में गणेश प्रतिमा बना रहे मूर्तिकार की गोली मारकर हत्या

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भानतलैया के सिंधी कैंप इलाके में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात गणेश प्रतिमा बना रहे 48 वर्षीय मूर्तिकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बब्बा उर्फ मनोज सोनकर के रूप में हुई है। वारदात रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को हत्या के पीछे पुरानी रंजिश का संदेह है। मनोज सोनकर कई वर्षों से गणेश उत्सव के सीजन में अपने घर के पास मूर्तियां बनाने का काम करते थे। शुक्रवार रात भी वे गणेश प्रतिमा तैयार करने में जुटे थे। प्रतिमा का काम पूरा करने के बाद जैसे ही वे पंडाल से बाहर निकले, बाइक पर सवार 2 से 3 युवकों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली उनके पेट में लगी। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास मूर्तियां बना रहे लोग घटनास्थल पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल मनोज को पहले हनुमानताल थाने ले जाया गया। वहां से पुलिस उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हालांकि, आरोपियों की संख्या और उनकी भूमिका के बारे में अभी कोई अंतिम पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज के जरिए बाइक सवार हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही वारदात के समय मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी को आपस में जोड़कर हत्यारों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। फिलहाल मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस की जांच जारी है।

हत्या का शुरुआती संभावित कारण पुरानी रंजिश

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। एएसपी आयुष जाखड़ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से वारदात को लेकर जानकारी ली। पुलिस ने मौके से जुड़े साक्ष्यों को भी जुटाना शुरू किया। एएसपी आयुष जाखड़ के मुताबिक, मनोज सोनकर का शुभम मराठा समेत कुछ अन्य लोगों से लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश को हत्या की संभावित वजह के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, परिवार के सदस्य भी फिलहाल वारदात की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं बता सके हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच, शुभम मराठा का नाम आया सामने

पुलिस ने ड्रग्स के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया, तस्करी में प्रयुक्त कार जब्त की

रतलाम में कार से बरामद किया 10 लाख का मादक पदार्थ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महू-नीमच फोरलेन से 100 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है। जब्त ड्रग्स की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। रिंगनोद थाना चौकी ढोढर की पुलिस ने सर्किट हाउस के सामने घेराबंदी कर एक ईको कार को रोका था। तलाशी के दौरान कार से मादक पदार्थ मिलने के बाद उसमें सवार पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी इंदौर, खरगोन और बड़वानी जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने ड्रग्स के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही ईको

कार भी जब्त की है। अब आरोपियों से पूछताछ कर इस खेप के स्रोत और इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ युवक ईको कार से एमडी ड्रग्स लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ढोढर में महू-नीमच फोरलेन पर सर्किट हाउस के सामने निगरानी बढ़ा दी। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए संदिग्ध वाहन को रोकने की कार्रवाई की। कार की तलाशी लेने पर उसमें 100 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थ और कार को जब्त कर लिया तथा सभी पांच युवकों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि एमडी ड्रग्स उन्हें कहां से मिली और इसकी सप्लाई किस व्यक्ति ने की थी। इसके अलावा संभावित खरीदारों और आगे की डिलीवरी को लेकर भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है। यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपी इससे पहले कितनी बार मादक पदार्थों का परिवहन कर चुके हैं और नेटवर्क में कौन लोग जुड़े हुए हैं।

इंदौर, खरगोन और बड़वानी के हैं आरोपी

पुलिस ने मामले में फारूख (33) पिता शबदर खान मेवाती, निवासी बामन्दा, थाना बलकवाड़ा, जिला खरगोन; अरबाज (26) पिता कलीम खान पठान, निवासी अग्रवाल कॉलोनी, राऊ, जिला इंदौर; साहिल (25) पिता फारूख शेख, निवासी विजय पैलेस कॉलोनी, चोइथराम मंडी, इंदौर को गिरफ्तार किया है। इनके अलावा इमरान (24) पिता शकील मंसुरी, निवासी हॉस्पिटल चौक, अंजड़, जिला बड़वानी और शाहरूख (32) पिता शौकत रशीद मंसुरी, निवासी फुटला तालाब, अंजड़, जिला बड़वानी को भी पकड़ा गया है।

---

19 अगस्त की रात घर में लगी आग में झुलसी बेटी की पांच दिन पहले हो चुकी मौत

ई-स्कूटी विस्फोट से घर में लगी आग में झुलसी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की 18 दिन बाद हुई मौत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

विंध्यावासिनी कॉलोनी में 19 अगस्त की रात ई-स्कूटी में हुए विस्फोट के बाद घर में लगी आग में झुलसी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिंदुकुंवर (36) की शनिवार को मौत हो गई। हादसे के पांच दिन पहले उनकी 16 वर्षीय बेटी अंतिम ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। बिंदुकुंवर का इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। हालत गंभीर होने पर उन्हें बाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हादसे में मां और दोनों बेटियां झुलस गई थीं। बड़ी बेटी विजय लक्ष्मी इस

घटना में बाल-बाल बच गई थीं। पड़ोसियों ने मशक्कत कर तीनों को जलते घर से बाहर निकाला था। विंध्यावासिनी कॉलोनी में रहने वाली बिंदुकुंवर अपनी दोनों बेटियों अंतिम और विजय लक्ष्मी के साथ कमरे में सो रही थीं। रात में अचानक धुआं भरने और घबराहट के बीच उनकी नींद खुली तो कमरे में आग फैल चुकी थी।

आंख खुली तो कमरे में चारों तरफ आग थी

परिवार ने मदद के लिए शोर मचाया। पड़ोसी पहुंचे और काफी प्रयास के बाद मां-बेटियों को घर से बाहर निकाला। हादसे में बिंदुकुंवर और छोटी बेटी अंतिम गंभीर रूप से झुलस गई थीं। दोनों को पहले रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया था। सोमवार रात मां और बेटी की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी।

पैर के तलवों और एड़ियों में जलन को नॉर्मल ना समझें, ये बीमारी की शुरुआत का पहला संकेत

एड़ियों में दर्द होने की समस्या आप महिलाओं मे आम ही सुनते हैं लेकिन इसी के साथ एक और दिक्कत जो अब आप हर 5 में से 2 व्यक्तियों के मुंह से सुन ही लेते हैं कि उनकी एड़ियों से सेंक निकलता है या पैरों के तलवों में जलन होती है। एड़ियों या पैरों के तलवों में लगातार जलन को अक्सर लोग गर्मी, थकान या ज्यादा चलने का नतीजा मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर यह समस्या बार-बार होती है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसके पीछे नसों से जुड़ी समस्या, डायबिटीज, विटामिन की कमी, थायरॉइड, किडनी की बीमारी या त्वचा का संक्रमण जैसी कई वजहें हो सकती हैं। पैरों में जलन का एक आम कारण पेरिफेरल न्यूरोपैथी (Peripheral Neuropathy) है, जिसमें पैरों की नसों को नुकसान पहुंचने के कारण जलन, झनझनाहट, सुन्नपन या चुभन महसूस हो सकती है।

डायबिटीक मरीजों को रह सकती दिक्कत

लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ा रहने से पैरों की नसों को नुकसान पहुंच सकता है। इसे डायबिटिक न्यूरोपैथी कहा जाता है। इसमें एड़ियों और तलवों में जलन के साथ झनझनाहट, सुन्नपन या चुभने जैसा दर्द भी हो सकता है। अगर आप डायबिटीज के मरीज है और आपको एड़ियों या पैरों में जलन भी रहती है तो डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 और कुछ अन्य क्ष विटामिन नसों के सही काम के लिए जरूरी होते हैं। इनकी कमी होने पर नसों से जुड़े लक्षणों में पैरों में जलन, झनझनाहट और सुन्नपन शामिल हो सकते हैं। अगर जलन लगातार बनी रहे तो डाक्टरी सलाह से विटामिन बी12 का टेस्ट करवाएं।

थायरॉइड की समस्या

हाइपोथायरॉइडिज्म यानी थायरॉइड हार्मोन की कमी भी कुछ लोगों में नसों से जुड़ी समस्या और पैरों में जलन का कारण बन सकती है।

किडनी या लिवर से जुड़ी समस्या

किडनी या लिवर की कुछ बीमारियां भी पेरिफेरल न्यूरोपैथी से जुड़ी हो सकती हैं, जिसके कारण पैरों में जलन या असामान्य संवेदनाएं महसूस हो सकती हैं। किडनी और लिवर की दिक्कत से जुड़े व्यक्ति को अक्सर पैरों में सूजन के साथ झनझनाहट और जलन की समस्या देखने को मिलती है।

फंगल इंफेक्शन

अगर जलन के साथ पैरों में खुजली, त्वचा का छिलना, लाल चकत्ते या उंगलियों के बीच सफेद/गीली त्वचा भी है, तो फंगल इंफेक्शन भी कारण हो सकता है।

नसों पर दबाव या चोट

किसी नस पर दबाव पड़ने, चोट लगने या कुछ विशेष नर्व-कंप्रेशन की समस्या के कारण भी पैर या एड़ी में जलन, दर्द या झनझनाहट हो सकती है।

एड़ियों की जलन से बचने के लिए क्या करें?

सबसे पहले इसके मूल कारण का पता लगाना जरूरी है। यदि जलन लगातार बनी हुई है, तो डॉक्टर आपकी स्थिति के अनुसार, ब्लड शुगर/एच बी ए 1 सी, विटामिन बी12, थायरॉइड और अन्य जरूरी जांच की सलाह दे सकते हैं। डायबिटीज होने पर ब्लड शुगर को नियंत्रित रखना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना, संतुलित आहार लेना और धूम्रपान से बचना नसों को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद कर सकता है। पैरों को साफ और सूखा रखें, सही फिटिंग वाले जूते पहनें और नंगे पैर चलने से बचें। खासकर यदि पैरों में सुन्नपन भी है, तो रोजाना पैरों को देखकर किसी कट, छाले या घाव की जांच करें, क्योंकि नसों की संवेदना कम होने पर चोट का पता देर से चल सकता है।

कब डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें?

अगर जलन लगातार कई हफ्तों से बनी हुई है, धीरे-धीरे बढ़ रही है, पैरों से ऊपर की ओर फैल रही है या इसके साथ सुन्नपन, कमजोरी, संतुलन बिगड़ना या घाव का ठीक न होना जैसी समस्या है, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। जरूरी बात : एड़ियों में जलन का केवल लक्षण देखकर किसी एक बीमारी का संकेत भी हो सकता है। सही कारण जानने के लिए चिकित्सकीय जांच जरूरी है। आपके टेस्ट और रूटीन चेकअप से ही आपको सही कारण की जानकारी मिल सकती है।

क्या सच में मधुमेह को जड़ से खत्म कर देता है गिलोय? इस जड़ी-बूटी की पूरी सच्चाई नहीं जानते लोग

गिलोय जिसे गुडूची के नाम से भी जाना जाता है सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होने के कारण पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा में बहुत महत्वपूर्ण है। इसके कई औषधीय गुण हैं अक्सर इसे डायबिटीज के लिए एक प्राकृतिक उपाय के तौर पर बताया जाता है। कई लोग इस उम्मीद में गिलोय का जूस पीते हैं कि इससे उनका ब्लड शुगर लेवल कम हो जाएगा या बीमारी ठीक भी हो सकती है। क्या गिलोय सच में डायबिटीज को खत्म कर देती है? आज जानिए पूरी बात

डॉक्टरों ने समझाई पूरी बात

पारंपरिक चिकित्सा में गिलोय का लंबे समय से महत्व रहा है, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि डायबिटीज के प्रबंधन में इसकी भूमिका के समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण अभी भी सीमित हैं। ' टाइप 2 डायबिटीज़ गिलोय की कमी से नहीं होती। यह इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से होती है, जो सालों तक रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट और चीनी के सेवन से शरीर की ग्लूकोज़ को साफ़ करने की क्षमता पर बुरा असर पड़ने से बनता है। एक चम्मच जड़ी-बूटी भी उस नुकसान को ठीक नहीं कर सकती जो बाकी खाने की चीज़ें लगातार करती रहती हैं।'

क्या रोज ले सकते हैं गिलोय?

डॉक्टर कहते हैं कि किसी एक चमत्कारी भोजन या जड़ी-बूटी को खोजने के बजाय, ध्यान जीवनशैली में ऐसे बदलाव करने पर होना चाहिए जो लंबे समय तक अपनाए जा सकें और जिनसे इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या को दूर किया जा सके। वह कहते हैं कि हालांकि गिलोय को रोजमर्रा की दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है, लेकिन इसे डॉक्टरी सलाह से होने वाले इलाज और जीवनशैली में बदलाव का विकल्प न माना जाए। इसलिए, अगर गिलोय से आपको आराम मिलता है, तो ज़रूर लें। बस इसके चलते अपने रोजमर्रा की दवाइयों पर ना असर आने दें।

गिलोयसे होते हैं ये फायदे

लंबे समय तक रहने वाली सूजन (क्रोनिक इन्फ्लेमेशन) का संबंध इंसुलिन रेजिस्टेंस से है, जो डायबिटीज का एक मुख्य कारण है। गिलोय में सूजन कम करने वाले ज़बरदस्त गुण होते हैं, जो सूजन को कम करने, इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने और ओवर ऑल मेटाबोलिक हेल्थ को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। डायबिटीज इम्यून सिस्टम को कमज़ोर कर सकती है, जिससे लोगों को इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। गिलोय अपने इम्यूनोमॉड्यूलेटरी असर के लिए जानी जाती है, जो इम्यून सिस्टम को मज़बूत करती है और सेहत को बेहतर बनाती है।

लिवर की सुरक्षा

ग्लूकोज मेटाबोलिज्म में लिवर अहम भूमिका निभाता है। माना जाता है कि गिलोय लिवर की सुरक्षा करती है और उसे सही ढंग से काम करने में मदद करती है। स्वस्थ लिवर ब्लड शुगर को बेहतर ढंग से कंट्रोल करने में मदद करता है। स्ट्रेस का ब्लड शुगर लेवल पर बुरा असर पड़ सकता है। गिलोय में एडाप्टोजेनिक गुण होते हैं, जो शरीर को स्ट्रेस से निपटने में मदद करते हैं और स्ट्रेस के कारण ब्लड ग्लूकोज़ लेवल में होने वाली अचानक बढ़ोतरी को रोक सकते हैं।

गिलोय को कैसे शामिल करें

अगर आप भी अपनी डायबिटीज केयर प्लान में गिलोय को शामिल करना चाहते हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। डायबिटीज मैनेजमेंट प्लान में गिलोय को शामिल करने से पहले, हेल्थकेयर प्रोवाइडर से सलाह लेना ज़रूरी है। वे आपकी सेहत और दवाओं के आधार पर आपको सही सलाह दे सकते हैं। गिलोय कई रूपों में मिलती है, जैसे पाउडर, कैप्सूल और एक्सट्रैक्ट। आयुर्वेदिक डॉक्टर अक्सर व्यक्ति की ज़रूरतों के हिसाब से खास फ़ॉर्मूलेशन की सलाह देते हैं। कुछ लोग गिलोय तैयार करने के पारंपरिक तरीकों को पसंद करते हैं, जैसे काढ़ा या इन्फ्यूजन। इन्हें गिलोय के तनों को पानी में उबालकर और उससे बने लिक्विड को पीकर तैयार किया जा सकता है।

नोट : किसी भी मेडिकल कंडीशन का खुद से इलाज करने की बजाय अपने डॉक्टर की सलाह लें।

हल्दी वाले दूध को लेकर ना करना ये गलती, नहीं तो फायदे से ज्यादा होगा नुकसान

भारतीय घरों में सर्दियों के मौसम में हल्दी वाला दूध पीने का रिवाज रहा है। बुजुर्गों से लेकर छोटे बच्चों तक, सभी को सोने से पहले हल्दी और दूध का यह गर्म और सेहतमंद मिश्रण पिलाया जाता है। दूध, हल्दी, काली मिर्च, अदरक और दालचीनी से बना हल्दी वाला दूध सेहत के लिए बहुत फ़ायदेमंद है और सर्दियों के लिए एक बेहतरीन ड्रिंक है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो ठंड के मौसम में सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं।

हल्दी वाला दूध पीने से मिलते हैं ये फायदे

यह सर्दी-जुकाम और फ्लू से लड़ने में मदद करता है और खासकर बुजुर्गों के लिए गठिया, जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की तकलीफ जैसी समस्याओं को संभालने में फायदेमंद है। जानकारों का यह भी कहना है कि यह गले की खराश को ठीक करता है और अच्छी नींद लाने में मदद करता है। लेकिन हल्दी वाला दूध पीते समय बहुत से भारतीय एक आम गलती करते हैं: इसे सोने से ठीक पहले पीना। हेल्थ एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि आखिरी बार खाना खाने और सोने के बीच कम से कम एक से दो घंटे का अंतर रखना चाहिए।

सोने से तुरंत पहले दूध पीने का होता है नुकसान

एक गिलास हल्दी वाला दूध कैलोरी से भरपूर होता है और पाचन तंत्र को बिगाड़ सकता है। इसे पीने के तुरंत बाद सोने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टर कहते हैं– 'हल्दी में करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह पाचन और आराम में मदद करता है। हालांकि सोने से ठीक पहले खासकर भारी भोजन के बाद इसे पीना सही नहीं हो सकता है। करक्यूमिन पित्त (ड्डद्बद्यद्ग) के उत्पादन को बढ़ा सकता है, जिससे कुछ लोगों को लेटने पर बेचैनी या एसिड रिफलक्स की समस्या हो सकती है।' डॉक्टर कहते हैं– 'दूध एक भारी भोजन है और इसे पचाने के लिए अच्छी पाचन क्रिया की जरूरत होती है, जो रात में स्वाभाविक रूप से धीमी हो जाती है। लेटने से ठीक पहले इसका सेवन करने से पेट फूलना, एसिडिटी या एसिड रिफलक्स की समस्या हो सकती है, खासकर उन लोगों में जिनका पेट संवेदनशील है या जिन्हें त्रश्वक्रष्ठ या गैस्ट्राइटिस की समस्या है।'

हल्दी वाला दूध पीने का सही तरीका

हल्दी वाला दूध पीने के मामले में ज़्यादा कैलोरी लेना एक और बड़ी बात है जिसे बहुत से भारतीय नजरअंदाज कर देते हैं। खाने के तुरंत बाद हल्दी वाला दूध पीने से शरीर में फालतू कैलोरी बढ़ सकती है और पाचन पर असर पड़ सकता है। कैलोरी के अलावा, रात के खाने के बाद दूध पीने से पेट फूलने की समस्या हो सकती है क्योंकि आप शरीर की ज़रूरत से ज़्यादा खाना खा रहे होते हैं। इसलिए, अगर दूध पीना ही है, तो इसे रात के खाने से पहले पीना सबसे अच्छा है, इससे आप कम खाना खाएंगे क्योंकि दूध से आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा।

पस भरे दर्दनाक बालतोड़ से हैं परेशान? इस देसी इलाज से तुरंत गायब हो जाएगा दर्द और सूजन

तेज गर्मी में फोड़े-फुंसियां ??और रैशेज होना एक आम समस्या है, जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। इन दिनों सबसे ज्यादा बाल तोड़ के मामले सामने आते हैं, जो इंसान इसका शिकार हो चुका है उसे इसका नाम सुनते ही दर्द महसूस होने लगता है। 'बाल तोड़' असल में बालों की जड़ों (हेयर फॉलिकल) में बैक्टीरिया से होने वाला एक इन्फेक्शन है। यह स्किन के सबसे आम बैक्टीरियल इन्फेक्शन में से एक है, और शायद हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी में कम से कम एक बार इसका सामना करना पड़ता है।

क्या होता है बाल तोड़

बाल तोड़ आमतौर पर तब शुरू होते हैं जब बाल गलती से या जानबूझकर खिंच जाते हैं। ये मवाद से भरे छोटे से लेकर बड़े दानों या घावों के रूप में दिखाई देता हैं। ज़्यादातर ये पैरों, बगल, कूल्हों और सिर की त्वचा (स्कैल्प) जैसी जगहों पर देखे जाते हैं। हालाकि, ये शरीर के किसी भी हिस्से पर हो सकता है। ये एक छोटे से फोड़े के रूप में शुरू होता है आकार में बढ़ता है और आखिर में फट जाता हैं, जिससे मवाद बाहर निकलता है। अगर इनका इलाज न किया जाए, तो इन्फेक्शन त्वचा में गहराई तक फैल सकता है और फोड़ा बन सकता है। चूकि ये बैक्टीरिया से होने वाला इन्फेक्शन है, इसलिए ये संक्रामक होता हैं और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है।

बाल तोड़ होने का कारण

बालों का खिंचना, शेविंग के दौरान कट या खरोंच लगना, तेल की मालिश से रोमछिद्रों का बंद होना। इन फोड़ों को बढ़ाने वाले कारक (ये सीधे कारण नहीं हैं, लेकिन इनके बढ़ने की वजह बनते हैं) इनमें शामिल हैं :

- गर्म और उमस भरा मौसम
- डायबिटीज (मधुमेह)
- कमज़ोर इम्यूनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता)
- कुछ खास दवाओं का इस्तेमाल
- साफ़-सफ़ाई की कमी

इन नुस्खों से बालतोड़ से पाएं राहत

हल्दी और एलोवेरा लगाएं : एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लामेटरी गुणों से भरपूर हल्दी में एलोवेरा जेल को मिलाकर बालतोड़ पर लगाने से सूजन से बचा जा सकता है।चुटकी भर हल्दी को एलोवेरा जेल में मिलाकर 10 से 15 मिनट के लिए लगाने से त्वचा को राहत मिलती है।

नीम की पत्तियों का लेप : त्वचा को बैक्टीरिया के प्रभाव से मुक्त करने के लिए नीम के पत्तों को पीसकर उसमें आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं और बालतोड़ पर कुछ देर लगाकर छोड़ दें। इससे त्वचा को राहत मिलती है और संक्रमण का प्रभाव कम होने लगता है।

लहसुन की कलियां : एंटी माइक्रोबियल प्रॉपर्टीज से भरपूर लहसुन को छीलकर उसको क्रश कर दें। अब एक गीले कपड़े में बांधकर बॉयल पर 15 से 20 मिनट तक रखें। इससे त्वचा को राहत मिलती है।

कलौंजी का तेल : कलौंजी के तेल को जोजोबा तेल के साथ मिक्स कर प्रभावित जगह पर लगाएं। कुछ समय बाद घाव को साफ कपड़े से पोंछ लें। ऐसा करने से बालतोड़ और उससे होने वाले दर्द से निजात पा सकते हैं।

मेहंदी : मेंहदी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए एक एंटीपायरेटिक प्रॉपर्टीज के रूप में काम करते हैं। जिससे बैक्टीरियल इंफेक्शन से लड़ने में मदद मिलती है। अगर बालतोड़ वाली जगह में ज्यादा जलन हो रही है तो मेंहदी को भिगोकर गाढ़ा लेप बनाकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

बाल तोड़ का इलाज

थोड़ी और तुरंत राहत के लिए मरीज़ों को सलाह दी जाती है कि वे दर्द और सूजन कम करने के लिए गर्म सेंक करें। साथ ही, उस जगह को गुनगुने पानी से साफ करने से इन्फेक्शन कंट्रोल में रहता है। फोड़े एक तरह का इन्फेक्शन होते हैं, इसलिए स्किन क्लिनिक में इनका सही इलाज करवाना जरूरी है। इनका इलाज खाने वाली और ऊपर से लगाने वाली एंटीबायोटिक्स से किया जाता है। अगर फोड़ा बढ़कर एब्सेस (मवाद वाली गांठ) बन जाता है, तो स्किन क्लिनिक में छोटी सी सर्जरी करके मवाद निकालना ज़रूरी हो जाता है। इन्फेक्शन को फैलने से रोकने के लिए संक्रमित व्यक्ति के कपड़े और बिस्तर की चादरें अलग धोएं। ऐसे टाइट कपड़े न पहनें जिनसे बाल खिंचें या टूटें। साफ-सफाई का ध्यान रखें - खासकर उन जगहों पर जहां ज़्यादा पसीना आता है, जैसे बगल वगैरह।

महिला एशिया कप में टीम इंडिया के जीत की हैट्रिक

68 गेंद रहते भारत ने पाक को दी करारी शिकस्त

एजेंसी, दुबई

भारतीय महिला टीम ने टी-20 एशिया कप में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। उसने 56 रन का टारगेट 8.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। कप्तान हरमनप्रीत ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में शनिवार को पाकिस्तान की टीम 55 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का सबसे छोटा स्कोर है।

पाकिस्तान की 8 बैटर्स दहाई तक नहीं पहुंची

पाकिस्तान की 8 बल्लेबाज ही दहाई तक नहीं पहुंच सकी। सबसे ज्यादा 14 रन शवाल जुल्फिकार ने बनाए। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी और प्रेमा रावत को 3-3 विकेट मिले। दीप्ति शर्मा को 2 विकेट मिले। टॉस के समय भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक बार फिर पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया। भारतीय कप्तान ने 14 जून को खेले गए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के मैच में भी पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिला था।

भारत की लगातार तीसरी जीत

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। उसने पाकिस्तान से पहले हॉन्गकॉन्ग और थाईलैंड को हराया था। दूसरी ओर पाकिस्तान को पहली हार मिली है। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हॉन्गकॉन्ग से अगला मैच जीतना होगा।

हरमन के छक्के से जीता भारत

भारतीय टीम ने 56 रन का टारगेट 8.4 ओवर में चेज कर लिया। टीम ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नशरा संधू की तीसरी बॉल पर चौका और चौथी बॉल पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

मेंस एशिया कप से शुरू हुई नो-हैंडशेक पॉलिसी

भारतीय खिलाड़ियों की पाकिस्तानियों से नो-हैंडशेक पॉलिसी पिछले साल मेंस एशिया कप से शुरू हुई थी। जब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था।

सबालेंका के मैच में गांजे की बदबू से रुका खेल, विंबलडन फाइनलिस्ट मुचोवा बाहर

अल्कराज और मेदवेदेव यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूयॉर्क में शुक्रवार को US ओपन 2026 के तीसरे राउंड में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर मेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में पहुंच गए। 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर लौटे अल्काराज ने 2 घंटे 20 मिनट में मैच जीता। वहीं, डेनियल मेदवेदेव ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। विमेंस सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने मैच के दौरान स्टैंड्स से आ रही गांजे की बदबू की शिकायत की, जबकि एम्मा नवारो ने विंबलडन फाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

सरेना-वीनस पहले राउंड में हारीं

विमेंस डबल्स के पहले राउंड में सेरेना और वीनस विलियम्स की जोड़ी हार गई। माया जॉइंट और चान हाओ-चिंग ने उन्हें 6-3, 6-7, 7-6 से हराया। विलियम्स बहनों ने 5-0 की बढ़त बनाई थी।

सितसिपास पहली बार चौथे राउंड में: मेंस सिंगल्स में स्टेफानोस सितसिपास ने जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6 (7-3), 6-1 से हराकर पहली बार US ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई। फ्रांसिस टियाफो ने वेलेंटिन वाचेरोत को 6-4, 6-2, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया।

चोट से वापसी के बाद लय में लौट रहे अल्काराज

कलाई की चोट के कारण अप्रैल से सिंगल्स कोर्ट से दूर रहे अल्काराज टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे राउंड में पुर्तगाल के जेमी फारिया के खिलाफ एक सेट गंवाना पड़ा था। वहीं तीसरे राउंड में वू यिबिंग के खिलाफ अल्काराज ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं जितना सोच रहा था, उससे बेहतर स्थिति में हूं। पहले मैच के बाद मुझे लगा था कि शारीरिक रूप से परेशानी होगी, लेकिन मेरी रिकवरी बहुत अच्छी हो रही है।' चौथे राउंड में अल्काराज का सामना अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा।

मेदवेदेव ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की

2021 के US ओपन चैंपियन डेनियल मेदवेदेव ने तीसरे राउंड में फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मेदवेदेव ने टूर्नामेंट में अब तक अपने तीनों मुकाबले सीधे सेटों में जीते हैं। अगले राउंड में उनका सामना अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो या मोनाको के वालेंटिन वाचेरोत से होगा।

सबालेंका के मैच में गांजे की बदबू से रुका खेल

विमेंस सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका के तीसरे राउंड के मुकाबले में अजीब स्थिति बन गई। कामिला राखिमोवा के खिलाफ मैच के तीसरे गेम में सबालेंका ने स्टैंड्स से आ रही गांजे की तेज बदबू की शिकायत की। उस समय सबालेंका सर्विस कर रही थीं और स्कोर 30-0 था। उन्होंने चेयर अंपायर की ओर इशारा करते हुए कहा कि दर्शकों में कोई गांजा पी रहा है और बदबू बहुत तेज है। अंपायर ने इसके बाद मदद के लिए स्टाफ को बुलाया। US ओपन के कर्मचारी बदबू के स्रोत का पता लगाने के लिए स्टैंड्स में गए।

नवारो ने विम्बलडन फाइनलिस्ट मुचोवा को हराया

विमेंस सिंगल्स में अमेरिका की एम्मा नवारो ने बड़ा उलटफेर करते हुए करोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई। मुचोवा इस साल विम्बलडन की रनर-अप रही थीं और US ओपन की दो बार सेमीफाइनलिस्ट भी हैं। वह टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टॉप-10 खिलाड़ी बनीं। नवारो की यह इस सीजन में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत है। वह 2024 US ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंच चुकी हैं। चौथे राउंड में नवारो का सामना एलीना स्वितोलिना या एना कलिन्स्काया से होगा।

गांगुली की साइन वाली बॉल भी दी गई; सूर्यवंशी और ईशान भी शामिल रहे

शमी को 100 नंबर की जर्सी देकर सम्मानित किया

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनके 100वें फर्स्ट क्लास मैच से पहले शनिवार को बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन ने सम्मानित किया। शमी को 100 नंबर की स्पेशल जर्सी दी गई। साथ ही उन्हें पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की साइन की गई बॉल भी दी गई। सम्मान के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन और उप कप्तान वैभव सूर्यवंशी भी मौजूद रहे। दलीप ट्रॉफी का फाइनल चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच 6 सितंबर से शुरू हो रहा है। यह शमी का 100वां फर्स्ट क्लास मैच होगा। मुकाबाल सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा। शमी को एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरव गांगुली के हस्ताक्षर वाली क्रिकेट बॉल, कस्टमाइज्ड नंबर-100 जर्सी और चांदी की ट्रॉफी दी गई। कैब के कोषाध्यक्ष संजय दास ने तेज गेंदबाज को सम्मानित किया। इससे पहले संजय दास ने कहा- 'शमी बंगाल क्रिकेट का गौरव और एक महान खिलाड़ी हैं। यह अहम उपलब्धि हासिल करने पर उनके लिए राज्य संघ की ओर से एक छोटा-सा सम्मान है।'

ईशान बोले- शमी भाई में भारतीय टीम में वापसी की जबरदस्त भूख

ईशान ने शमी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा- शमी भाई में आज भी भारतीय टीम में वापसी की जबरदस्त भूख और मोटिवेशन है। उम्र सिर्फ एक नंबर है और वे जिस तरह मेहनत कर रहे हैं, उससे उनका जज्बा साफ दिखता है।' ईशान ने कहा कि शमी भारतीय क्रिकेट के लेजेंड हैं और बंगाल के साथ-साथ देश के लिए भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। ईस्ट जोन के कप्तान ने कहा कि शमी की टीम में मौजूदगी से कप्तानी में काफी आत्मविश्वास मिलता है।

शमी ने फर्स्ट क्लास में 382 विकेट लिए

शमी ने अब तक 99 फर्स्ट-क्लास मैचों में 382 विकेट लिए हैं। ईस्ट जोन को फाइनल तक पहुंचाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। पारी में 90 रन देकर 8 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ मैच में 5 विकेट लिए थे।

बीसीसीआई अपनी पसंद का होटल ले सकता है, लेकिन तब पूरी जिम्मेदारी बोर्ड की होगी

एशियाड में भारतीय ओलिंपिक संघ अलग होटल की व्यवस्था नहीं करेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान में होने वाले एशियन गेम्स के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के लिए भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) अलग से होटल की व्यवस्था नहीं करेगा। अगर बीसीसीआई आयोजकों की ओर से तय होटलों के बजाय अपनी पसंद का होटल चुनता है, तो खिलाड़ियों के ठहरने, खाने, स्थानीय परिवहन और मैच वेन्यू तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बोर्ड की होगी। आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि एशियन गेम्स में शामिल सभी 36 खेलों के खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

मेंस टीम को 3-स्टार, विमेंस टीम को 4-स्टार होटल

एशियन गेम्स के आयोजकों ने भारतीय मेंस टीम के लिए 3-स्टार एपीए होटल नागोया एकिमाए और विमेंस टीम के लिए 4-स्टार ग्रैंड होटल की व्यवस्था की है। दोनों होटलों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेटरों के आमतौर पर रहने वाले 5-स्टार होटल की तुलना में ये एक लेवल नीचे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरे ट्विन-शेयरिंग के आधार पर दिए जाएंगे। यही व्यवस्था बीसीसीआई के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

अलग होटल में भी लागू रहेंगे सुरक्षा और डोपिंग नियम

अगर बीसीसीआई अपनी व्यवस्था करता है तो क्रिकेटर एशियन गेम्स सिस्टम से बाहर नहीं होंगे। खिलाड़ियों पर गेम्स के सुरक्षा, एक्रेडिटेशन और एक्सेस प्रोटोकॉल लागू रहेंगे। बिना वैध एक्रेडिटेशन वाले बाहरी लोगों को खिलाड़ियों के होटल में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके अलावा वाडा (WADA) और इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ITA) के डोप-कंट्रोल अधिकारियों को खिलाड़ियों के ठिकाने की जानकारी देनी होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर रैंडम डोप टेस्ट किया जा सके।

बीसीसीआई भेजेगा एडवांस टीम

बीसीसीआई सीईओ हेमांग अमीन और आईओए सीईओ रघुराम अय्यर के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। बीसीसीआई अगले हफ्ते की शुरुआत में एक एडवांस टीम जापान भेजेगा। यह टीम होटल, क्रिकेट वेन्यू और दूसरी स्थानीय सुविधाओं का जायजा लेगी। इसके बाद बोर्ड तय करेगा कि आयोजकों की ओर से दिए गए होटलों में रहना है या अपनी व्यवस्था करनी है। अय्यर ने कहा कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों के हित में फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है। अगर बोर्ड अलग व्यवस्था करता है तो आईओए को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी।

महिला टीम पहले पहुंचेगी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला टीम दुबई में एशिया कप खेलने के बाद 13 सितंबर को भारत लौटेगी और 14 सितंबर को नागोया के लिए रवाना होगी। महिला टीम एशियन गेम्स में सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेगी। उसका पहला मुकाबला 18 सितंबर को होगा और टीम का टूर्नामेंट 22 सितंबर तक चलेगा।

21 सितंबर को जापान रवाना होगी पुरुष टीम

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय पुरुष टीम 21 सितंबर को जापान के लिए रवाना होगी। पुरुष टीम भी सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेगी और उसका पहला मैच 28 सितंबर को होगा। दोनों टीमों के अलग-अलग समय पर जापान पहुंचने के कारण बीसीसीआई के लिए होटल और लोकल ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था अहम होगी। एशियन गेम्स से पहले भारत और जापान की पुरुष टीमें 22 सितंबर को T20I मैच खेलेंगी। यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर सुजुकी कप के तहत खेला जाएगा। यह मैच भारतीय टीम को जापान की परिस्थितियों में ढलने और एशियन गेम्स से पहले मैच प्रैक्टिस हासिल करने का मौका देगा।

एशियन गेम्स में करीब 17 हजार एथलीट-काउच

आईचि-नागोया में होटल व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। गेम्स में खिलाड़ियों और कोच की संख्या शुरुआती अनुमान 15 हजार से बढ़कर करीब 17 हजार पहुंचने की उम्मीद है। होटलों की कमी को देखते हुए, आयोजक मोबाइल अकोमोडेशन और कोस्टा सेरेना क्रूज शिप का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

मानव सुथार ने काउंटी डिविजन वन में 7 विकेट लिए

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के साउथैंप्टन में काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन-1 के मुकाबले में भारतीय स्पिनर मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी की। वारविकशायर की ओर से खेल रहे सुथार ने हैम्पशायर की दोनों पारियों में कुल 7 विकेट लिए। उनकी टीम ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया। हैम्पशायर ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, वारविकशायर ने पहली पारी में बनाए 398 रन मुकाबले की शुरुआत में हैम्पशायर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, वारविकशायर के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया।

भारत जूनियर मेंस हॉकी एशिया कप में 14-0 से जीता

- इंडोनेशिया को हराया, प्रभदीप ने 5 और अनमोल ने 4 गोल किए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की जूनियर मेंस हॉकी टीम ने चीन के मोकी में जूनियर एशिया कप 2026 की शुरुआत 14-0 की बड़ी जीत से की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को हराया। प्रभदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने 4, अजीत यादव ने 3, जबकि हरपाल और आशु मौर्य ने 1-1 गोल किया।

पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और इंडोनेशिया पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रभदीप ने 5वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद हरपाल ने 8वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इंडोनेशिया भारतीय टीम के तेज हमलों और लगातार मूवमेंट का सामना नहीं कर सका।

हाफ-टाइम तक स्कोर 6-0

दूसरे क्वार्टर में कप्तान अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा

तीसरे क्वार्टर में अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। इसके बाद तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले प्रभदीप ने एक और गोल किया। इससे स्कोर 9-0 हो गया।

पहली ट्रॉफी का इंतजार; चीन से खिताबी मुकाबला

सात्विक-चिराग तीसरी बार चाइना मास्टर्स के फाइनल में

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की मेंस डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया के नूर मोहम्मद अज्रिन और तान वी कियोंग की जोड़ी को 21-16, 18-21, 21-11 से हरा दिया। शेनझेन एरिना में खेला गया यह मुकाबला 1 घंटे 6 मिनट तक चला। अब फाइनल में उनकी भिड़ंत चीन की जोड़ी हे जी टिंग और रेन शियांग यू से होगी। सात्विक-चिराग ने पिछले चार सालों में तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। हालांकि वे एक बार भी ट्रॉफी नहीं जीत सके।

खराब शुरुआत के बाद वापसी की

सेमीफाइनल मैच के पहले गेम में सात्विक और चिराग की शुरुआत थोड़ी धीमी रही और वे 0-5 से पिछड़ गए थे। हालांकि, इसके बाद भारतीय जोड़ी ने बेहतरीन वापसी करते हुए लगातार 7 अंक हासिल किए और 7-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने बढ़त को कायम रखते हुए पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने पलटवार किया और 18-21 से गेम जीतकर मुकाबले को तीसरे गेम तक ले गई।

32वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस टेबल-टेनिस प्रतियोगिता 2026

मोहन, शशि, सुशील, सचिन, दामोदर जीते

खेल संवाददाता, भोपाल

मोहन द्विवेदी, सुशील सिंह ठाकुर, शशि शेखर, सचिन मदनानी, दामोदर प्रसाद आर्य और कृष्णकांत गंगवार ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर 32वीं रिलायंस ट्रॉफी इंटर प्रेस टेबल-टेनिस प्रतियोगिता में विजयी शुरुआत की है। ओपन ग्रुप में प्रदीप अय्यर, अभिषेक श्रीवास्तव, रोशनलाल और मेहबूब खान ने भी जीत से आगाज किया है, जबकि महिला वर्ग में मेघा और खुशबू ने फाइनल में जगह बना ली है। भोपाल खेल पत्रकार संघ द्वारा टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में 80 खिलाड़ी भागीदारी कर रहे हैं। पहले दिन सिंगल के मुकाबले खेले गए। जबकि दूसरे और आखिरी दिन रविवार को सिंगल के बचे मैचों के अलावा डबल्स मैचों की शुरुआत होगी। रविवार को ही प्रतियोगिता का समापन व पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा। इससे पहले टूर्नामेंट का उदघाटन संयुक्त संचालक खेल बालू सिंह यादव, मप्र रणजी टीम के पूर्व कप्तान ब्रजेश तोमर ओमी, वरुण चौधरी, बीडीसीए के उपाध्यक्ष डॉ. सुशील सिंह ठाकुर, टीटी नगर स्टेडियम प्रभारी डॉ. रवींद्र ठाकुर, पूर्व राष्ट्रीय टेबल-टेनिस खिलाड़ी सुनयन चतुर्वेदी, मप्र बॉक्सिंग अकादमी के चीफ कोच रोशनलाल और आयोजन संरक्षक मृगेंद्र सिंह ने किया। संचालन इंटरनेशनल कमेंटेटर दामोदर प्रसाद आर्य ने किया।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में पूर्वी जोन का सामना दक्षिण जोन से, वैभव पर होगी नजर

एजेंसी, चेन्नई

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी, देवदत्त पडिक्कल और तिलक वर्मा ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के फाइनल में लाल गेंद क्रिकेट में अपने हाल के प्रदर्शन को और बेहतर करने की कोशिश करेंगे, जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की निगाह लय हासिल करने पर होगी। पडिक्कल को साई सुदर्शन के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में जो मौका मिला, उसका उन्होंने श्रीलंका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में भरपूर फायदा उठाया। कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने दो टेस्ट मैचों में दो शतक लगाए और उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। दलीप ट्राफी के फाइनल में दक्षिण क्षेत्र की तरफ से खेलते हुए वह इस प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगे। पडिक्कल अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो इससे निश्चित रूप से उनकी टीम को 2023 के बाद खिताब वापस जीतने में मदद मिलेगी। इससे वह तीसरे नंबर पर अपना दावा और मजबूत करना चाहेंगे।

श्रीकांत ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि बेखौफ अंदाज में क्रिकेट खेलने वाला यह युवा बल्लेबाज सही मार्गदर्शन मिलने पर वर्ल्ड क्रिकेट का सुपरस्टार बन सकता है। श्रीकांत ने यह भी बताया कि वैभव की बल्लेबाजी का असर ऐसा है कि उनकी पत्नी भी दलीप ट्रॉफी देखने लगी हैं।

लंदन स्क्वैश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में हारीं अनाहत

एजेंसी, लंदन

भारत की अनाहत सिंह का लंदन स्क्वैश क्लासिक में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। मलयेशिया की तीसरी सीड शिवसांगरी सुब्रमण्यम ने अनाहत को हराया। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत मुकाबले की शुरुआत से ही खुद को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। शिवसांगरी ने रैलियों को नियंत्रित किया और लगातार अनाहत को कोर्ट के पीछे धकेलते हुए सिर्फ 17 मिनट में 11-4, 11-4 से जीत हासिल की।

ऑडिट ऑफिसर की पत्नी से एमडी ड्रग्स और ग्राम गांजा बरामद

कटारा हिल्स पुलिस खंगाल रही है नेटवर्क

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र की हाई प्रोफाइल कॉलोनी प्राइड सिटी निवासी ऑडिट ऑफिसर की पत्नी के कब्जे से पुलिस ने 3.7 ग्राम एमडी पाउडर व 1205 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

अवैध मादक पदार्थ घर के किचिन में छिपाकर रखे थे। पुलिस ने महिला आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि प्राइड सिटी कॉलोनी कटारा हिल्स की सोनम रहांगडाले (36) के घर में गांजा और एमडी ड्रग्स छुपा कर रखा गया है। सूचना पर पुलिस ने घर की तलाशी ली। तलाशी में घर के किचन से 3.7 ग्राम एमडी ड्रग्स और 1 किलो 205 ग्राम गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है आरोपी महिला सोनम रहांगडाले उक्त मादक पदार्थ कहां से लेकर आई थी और किन लोगों को सप्लाई के इरादे से रखा था। आरोपी महिला सीएजी के ऑडिट ऑफिसर की पत्नी बताई जा रही हैं।

दादा का इलाज कराने पहुंचे युवक ने डॉक्टर्स से की गाली-गलौज

भोपाल। आनंद नगर स्थित हथाईखेड़ा सिविल अस्पताल में डॉक्टर्स से गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत पर आरोपी युवक पर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार अस्पताल में डॉ. सत्यजीत सिंह के पास शुक्रवार दोपहर युवक बुजुर्ग दादा को लेकर आया था। उनका शुगर चेक किया, तभी अभिषेक यादव ने कहा यहां तो बैठने कुर्सी नहीं है। बजट का पैसा खा लेते हैं। डॉ.ने कहा कि मरीज के लिए कुर्सी है। अटेंडर के लिए नहीं है। इस पर गालीगलौज करने लगा।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में 46वें उप पुलिस अधीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में 46वें उप पुलिस अधीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का उद्घाटन सत्र श्री रवि कुमार गुप्ता, निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण बैच में 06 पुरुष एवं 11 महिला प्रशिक्षु अधिकारी शामिल हैं। उद्घाटन सत्र में निदेशक/विशेष पुलिस महानिदेशक श्री रवि कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक प्रभावी पुलिस अधिकारी के लिए अच्छा श्रोता होना, कानून-व्यवस्था प्रबंधन एवं वैज्ञानिक तरीके से अपराध अनुसंधान अत्यंत आवश्यक है।

योग पर जोर, हर जिले में खोले जाएंगे मुख्यमंत्री योग प्रशिक्षण केंद्र

भोपाल (नगर संवाददाता)

सेहत को बेहतर बनाने वाली योग जैसी प्राचीन विद्या को सरकार ने जन-जन से जोड़ने की तैयारी की है। इसके लिए एमपी गवर्मेंट प्रत्येक जिले में मुख्यमंत्री योग प्रशिक्षण केंद्र खोलने जा रही है। यह काम समय सीमा में करने शासन का योग आयोग युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहा है। योग आयोग का कहना है कि हर जिले में मुख्यमंत्री जिला योग प्रशिक्षण केंद्र खोलने की तैयारी है। इसके लिए काम प्रारंभ कर दिया गया है।

शासन की योग शिक्षा नीति 2007 के अनुसार कक्षा पहली से 12वीं तक हर जिले के स्कूलों में योग क्लास अनिवार्य है। इसके लिए कक्षावार पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया गया है। पहली से पांचवी तक अलग पाठ्यक्रम बनाया है। जबकि पांचवी से आठवीं और नवीं से 12वीं तक पृथक कोर्स तैयार किए गए हैं। सबसे बड़ा नवाचार यह है कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत

हर जिले में जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) संचालित होते हैं। उनमें जो टीचर डीएड करने के लिए आते हैं। उन्हें ही सपोर्टिंग तौर पर योग की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। सपोर्टिंग तौर पर यही मास्टर ट्रेनर जिलों में योग की ज्ञान गंगा बहाने में मददगार साबित होंगे।

7 दिन से लेकर 1 माह का हुआ ट्रेनिंग कोर्स

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की दो प्रकार की तैयारी की गई है। शिक्षक को 7 दिन का प्रशिक्षण भी मिलेगा और एक माह की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। सात दिन की ट्रेनिंग सामान्य होगी जबकि एक माह में शिक्षक पूरी तरह मास्टर ट्रेनर बनाकर निकलेगा। वर्तमान में प्रदेश में पांच मास्टर ट्रेनर है। जबकि डाइट में जब शिक्षकों को प्रशिक्षण मिलेगा तो संख्या दोगुनी होगी। इन्हें ट्रेनिंग देने के लिए भी मार्गदर्शिका का निर्माण किया गया है।

प्रदेश के हर विद्यालय में होगा एक योग शिक्षक

भविष्य में प्रदेश के प्रत्येक स्कूल में एक योग शिक्षक होगा। महत्वपूर्ण यह है कि अकेले सरकारी ही नहीं, प्राइवेट स्कूल में भी एक योग शिक्षक रखना अनिवार्य किया जाएगा। हर जिले में जिला योग समितियां बनी हैं। जिनके सचिव भी जिला शिक्षा अधिकारी हैं। यही समितियां जिलों में इस काम की निगरानी करेंगी।

मौजूदा सत्र में ही शुरू होंगे योग केंद्र

सब कुछ ठीक रहा तो मौजूदा सत्र के दौरान ही प्रदेश के हर जिले में मुख्यमंत्री योग प्रशिक्षण केंद्र शुरू हो जाएंगे। अगले एक अधिकतम दो महीने में यह काम शुरू किया जा सकता है। हर जिले के डाइट में काम प्रारंभ कर दिया गया है। डाइट में दो फायदे हैं। क्योंकि पहले से ही यहां रेजिडेंशियल व्यवस्थाएं हैं। इसलिए जो शिक्षक यहां डीएड का प्रशिक्षण लेंगे। वही यहां हॉस्टल में रहकर योग की ट्रेनिंग भी आसानी से ले लेंगे।

इनका कहना

प्रत्येक जिले में योग प्रशिक्षण केंद्र खोलने की तैयारी है। इस पर काम प्रारंभ कर दिया है। हर जिले में डाइट से प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया जा रहे हैं। इस काम में योग से जुड़ी सभी संस्थाओं को भी एक छत के नीचे आकर काम करने की जरूरत है।

■ **डॉ. राघवेंद्र शर्मा,** अध्यक्ष, मध्य प्रदेश योग आयोग

बालाघाट में बैगा बच्चों की मौत पर उमंग सिंघार ने पीएम को लिखा पत्र

भोपाल (नगर संवाददाता)

बालाघाट जिले में बैगा आदिवासी बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सिंघार ने प्रभावित क्षेत्रों में उच्चस्तरीय चिकित्सकीय जांच कराने, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भेजने और मध्यप्रदेश सरकार को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सिंघार ने दावा किया है कि बालाघाट के प्रभावित गांवों में करीब 30 बैगा बच्चों की मौत की सूचना सामने आई है। पिछले कई महीनों से मलेरिया, खसरा और अन्य संक्रमण के साथ कुपोषण, दूषित पेयजल तथा पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव चिंता का विषय बना हुआ है।

10 साल में 91 बार खुले भदभदा के गेट

इस बार दो दिन में चार गेट खुले, 400 एमसीएफटी पानी बाहर निकाला

भोपाल (नगर संवाददाता)

अच्छी बरसात के चलते भदभदा डैम के दो दिन में चार बार गेट खुल गए। इन दो दिनों में 400 एमसीएफटी पानी बड़े तालाब से बाहर निकाला गया। पिछले 10 सालों के आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान 91 बार गेट खोलकर कलियासोत नदी में पानी छोड़ा गया। इधर बड़ा तालाब को भरने वाली कोलांस नदी में 8 फीट का बहाव देखा जा रहा है। इस लिहाज से अब रविवार को भी गेट खुलने की उम्मीद बढ़ गई है।

राजधानी भोपाल सहित आसपास के इलाकों में तेज बारिश के बाद शुक्रवार 4 सितंबर को सीजन में पहली बार भदभदा डैम का गेट नंबर 6 शाम सवा 6 बजे खोला गया। इसके बाद लगातार वॉटर लेवल बढ़ने पर रात 11 बजे गेट नंबर 3 खोला गया। जिसे रात 3 बजे बंद कर दिया। जबकि गेट नंबर 6 को अगले दिन शनिवार सुबह 8 बजे बंद किया। लेकिन लगातार कोलांस नदी से पानी बड़ा तालाब में आने पर शनिवार सुबह सवा 10 बजे गेट नंबर 9 खोलकर बड़ा तालाब का पानी कलियासोत नदी में छोड़ा गया। इधर कोलांस नदी भी 8 फीट ऊपर बह रही थी, जिसको देखते हुए दोपहर 2 बजकर 10 मिनट पर गेट नंबर 2 खोला गया। यानी इस सीजन में दो दिन में 4 गेट खुल चुके हैं।

आज भी गेट खुलने की संभावना

निगम के वॉटर वर्कस के मुताबिक दो दिन में बड़ा तालाब से करीब 400 एमसीएफटी पानी कलियासोत नदी में छोड़ा जा चुका है। इधर सीहोर की कोलांस नदी में भी देर शाम तक पांच फीट का बहाव था। ऐसी स्थिति में रविवार को भी गेट खुलने की संभावना है।

एफटीएल पर पहुंचते ही खुलते हैं गेट

बड़ी झील में कोलांस नदी का पानी आता है और इस पानी को रोकने साल 1965 में भदभदा बांध का निर्माण किया था। इसमें कुल 11 गेट है। बड़ी झील का एफटीएल1666.80 फीट है और इस लेबल के ऊपर पानी आने पर भदभदा के गेट खोलते हैं और हर घंटे 12 क्यूबिक फीट पानी निकाला जाता है। गेट खोलने से पहले एनजीटी, जिला प्रशासन, जिला प्रशासन रायसेन, जिला प्रशासन विदिशा, कलियासोत डैम के कार्यपालन यंत्री, जलसंसाधन विभाग, पुलिस विभाग और फॉयर ब्रिगेड को भी सूचना दी जाती है।

पिछले साल 6 सितंबर को खुले थे गेट: पिछले साल बड़ी झील अपने एफटीएल पर 6 सितंबर 2025 को पहुंची थी और गेट 6 खोला था। 2019 में 25 बार गेट खोले और 4720 एमसीएफटी,2020 में 11 बार गेट खोले और 4261 एमसीएफटी,2022 में 17 बार गेट खोले और 8821 एमसीएफटी और 2023 में 2 बार गेट खोले और 286 एमसीएफटी पानी छोड़ा गया। जबकि साल 2024 में अलग-अलग संख्या में कुल 10 बार भदभदा बांध के गेट खोले गए और भदभदा बांध से कुल 4260 एमसीएफटी पानी छोड़ा गया।

बारिश: रेल महकमा सतर्क ट्रैक पर सुरक्षा का पहरा

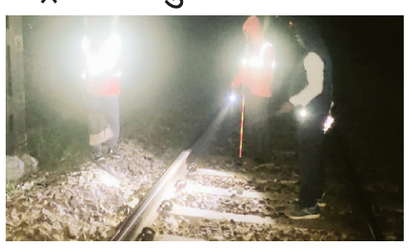

भोपाल (नगर संवाददाता)

तेज बारिश, जलभराव व बाढ़ जैसी स्थिति के बीच सुरक्षित रेल संचालन के लिए भोपाल मंडल ने 1023 किमी रेल नेटवर्क पर विशेष निगरानी व्यवस्था की है। इन स्थानों को चिन्हित कर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की है। रेल पथ, पुल, सिग्नलिंग, विद्युत उपकरण व जल निकासी व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर 118 पेट्रोलमैन और 174 वॉचमैन, कुल 292 कर्मचारी तैनात हैं। ये कर्मचारी नियमित मानसून पेट्रोलिंग कर रेल पथ में क्षति, जलभराव अथवा अन्य असामान्य स्थिति का समय रहते पता लगाएंगे। मंडल के खंडवा-इटारसी, इटारसी-भोपाल,भोपाल-बीना,बीना-गुना व गुना-मक्सी रेलखंडों पर निगरानी रखी जा रही है।संवेदनशील पुलों पर वॉटर लेवल अलार्म सिस्टम लगाए गए हैं।

बड़े तालाब की हद जानने ड्रोन सर्वे शुरू पंद्रह दिन में एनजीटी को सौंपेंगे रिपोर्ट

तीन स्थानों से ड्रोन उड़ाकर एरियल सर्वे, फोटो-वीडियो किए रिकॉर्ड

बारिश से दोपहर में रुका काम,मौसम सही रहा तो रविवार को भी सर्वे

भोपाल (नगर संवाददाता)

बड़े तालाब की वास्तविक सीमा और मौजूदा फैलाव का नए सिरे से आंकलन करने के लिए शनिवार से ड्रोन सर्वे शुरू हो गया। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश पर मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में सर्वे टीम ने तीन अलग-अलग स्थानों से ड्रोन उड़ाकर तालाब का एरियल सर्वे किया। ड्रोन के जरिए तालाब के जल क्षेत्र के साथ आसपास के हिस्सों की तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड किए गए हैं। इन रिकॉर्डिंग के आधार पर तालाब की वर्तमान सीमा और पूर्व में तय सीमा के बीच अंतर का आकलन किया जाएगा।

सर्वे के लिए शनिवार को भदभदा डैम, सैर सपाटा और मुगलिया छाप को ड्रोन उड़ाने के लिए निर्धारित किया गया था। सुबह नौ बजे से सर्वे शुरू होना था, लेकिन टीम के सदस्यों और विशेषज्ञों के पहुंचने में देरी के कारण काम करीब डेढ़ घंटे बाद शुरू हुआ। करीब 11.30 बजे भदभदा डैम के पास से पहली ड्रोन उड़ान हुई। इसके बाद सैर सपाटा और मुगलिया छाप क्षेत्र से भी ड्रोन उड़ाकर तालाब की सीमा का एरियल रिकॉर्ड तैयार किया गया।

जल क्षेत्र के साथ आसपास का हिस्सा भी करेंगे रिकॉर्ड

ड्रोन से बनाए गए फोटो और वीडियो में केवल तालाब का जल क्षेत्र ही नहीं, बल्कि उसके आसपास के हिस्सों को भी रिकॉर्ड किया गया है। सर्वे टीम इन तस्वीरों और वीडियो का तकनीकी विश्लेषण कर यह पता लगाएगी कि वर्तमान में तालाब का वास्तविक फैलाव किस क्षेत्र तक है और पूर्व में निर्धारित सीमा से इसमें कितना अंतर आया है। कई स्थानों से तैयार एरियल रिकॉर्ड को आपस में मिलाकर सीमा का आंकलन किया जाएगा। अन्य रिकॉर्ड भी उपयोग होना है। भोज वेटलैंड की सीमा को वैज्ञानिक तरीके से चिह्नित करना है।

एटीसी की अनुमति के बाद उड़ान: तालाब क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से अनुमति ली जा रही है। निर्धारित स्थान और समय की जानकारी के आधार पर अनुमति मिलने के बाद ही ड्रोन उड़ाया जा रहा है। शनिवार को भी तीनों स्थानों पर ड्रोन उड़ाने से पहले आवश्यक अनुमति ली गई।

जन्माष्टमी पर गूंजे कान्हा के जयकारे गोंडीपुरा की टीम ने फोड़ी मटकी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के अवसर पर बाल विहार, बैरसिया में कुलदीप सिंह राठौर मित्र मंडल द्वारा लगातार पांचवें वर्ष भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में गोंडीपुरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को 21 हजार की पुरस्कार राशि और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मानव पिरामिड बनाकर युवाओं ने दिखाया उत्साह- प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। युवाओं की टोलियों ने मानव पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ने का प्रयास किया। इस दौरान पूरे परिसर में 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंजते रहे। आयोजक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि ऐसे आयोजन सनातन परंपराओं को जीवंत रखने के साथ युवाओं को संस्कृति से जोड़ते हैं और भाईचारे की भावना मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह राठौर, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री कुलदीप सिंह राठौर और नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री राठौर सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। संचालन विवेक उपाध्याय एवं महेश शाक्य ने किया।

टैगोर नाट्य महोत्सव आज से, रंग-संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों से गूंजेगा मुक्तधारा

'टैगोर की सांस्कृतिक देन' पर होगी परिचर्चा

भोपाल (नगर संवाददाता)

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एवं विश्व रंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय टैगोर नाट्य महोत्सव का शुभारंभ 6 सितंबर से होगा। 6 से 9 सितंबर तक चलने वाले महोत्सव में रंग-संगीत, नाट्य प्रस्तुतियों और साहित्यिक परिचर्चाओं के जरिए गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि को मंच पर जीवंत किया जाएगा। महोत्सव का उद्घाटन रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय परिसर स्थित मुक्तधारा में होगा। पहले दिन दोपहर 3 बजे से कार्यक्रम शुरू होंगे। नवागंतुक विद्यार्थी 'गीतांजलि' की विशेष सांगीतिक प्रस्तुति देंगे। इसके बाद वरिष्ठ रंग निर्देशक देवेन्द्र राज अंकुर के निर्देशन में टैगोर की दो कहानियों 'एक रात/अंतिम रात' का नाट्य मंचन होगा।

टैगोर की सांस्कृतिक विरासत पर संवाद

शाम 4.15 बजे 'टैगोर की सांस्कृतिक देन' विषय पर परिचर्चा होगी। इसकी अध्यक्षता कवि-कथाकार एवं विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे करेंगे। इसमें उत्पल बैनर्जी, जयंत सिंह तोमर और अविजित सोलंकी विचार रखेंगे।

तीन कहानियां तीन शामें

7 से 9 सितंबर तक रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में संतोष चौबे की कहानियों के नाट्य रूपांतरण होंगे। 7 सितंबर को 'गरीब नवाज़', 8 सितंबर को 'उनके हिस्से का प्रेम और लेखक बनाने वाले' तथा 9 सितंबर को 'सतह पर तैरती उदासी' का मंचन शाम 7 बजे से होगा।

किसानों की सेवा का त्यौहार है बलराम कृषि महोत्सव : डॉ. यादव

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भिंड की धरती जय जवान-जय किसान का सबसे अच्छा और सार्थक उदाहरण है। कभी डकैतों की समस्या से जूझने वाले इस क्षेत्र की पहचान आज उद्योग, रोजगार और कृषि से हो रही है। डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव अन्नदाता किसानों की सेवा और इनके प्रति आभार व्यक्त करने का त्यौहार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को भिंड जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे दुग्ध उत्पादन, श्रीअन्न

उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फील्ड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी किसान इस बलराम कृषि महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती माता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। अपनी हीरे जैसी जमीन किसी को न बेचें, बल्कि अपने बच्चों को भी इसी पूंजी में परिश्रम और समर्पण का बीजरूपी निवेश करना सिखायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भिंड जिले के किसान अब प्राकृतिक खेती में भी रुचि ले रहे हैं। यहां 3 हजार से अधिक किसानों ने 1250 हैक्टेयर रकबे में प्राकृतिक खेती की है। प्रदेश में दुग्ध संकलन में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लगभग 60 गौशालाओं में गौसेवा भी हो रही है। अब पांडरी गांव में स्वावलंबी गौशाला के लिए 5 हजार निराश्रित गौवंश के आश्रय की तैयारी की जा रही है। मछली पालन में भी यहां के प्रगतिशील लोगों ने नई तकनीक अपनाई है। भवथरा गांव में 25 लाख रुपए की लागत से आधुनिक मत्स्य पालन तकनीक लगाई गई है।

20 जून के बाद महज तीन-चार बारही निकली मामूली धूप

40 दिनों से राजधानी बादलों में कैद, बढ़ी नमी से बीमारी का खतरा

- अगले पांच-सात दिन भी राहत नहीं
- सितंबर के अंतिम सप्ताह में मौसम खुलने की उम्मीद

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में मानसून सिर्फ बारिश लेकर नहीं आया, धूप भी छीन ले गया है। यहां 20 जून के बाद से खुली धूप के दिन बेहद कम रहे। करीब 75 प्रतिशत तक आसमान में बादल भरे रहने से वातावरण में फैली नमी अब घरों से लेकर स्वास्थ्य तक असर डालने लगी है। जिससे भोपाल में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या भी बढ़ी है।

इसमें चिंता की बात यह है कि राजधानीवासियों को सूरज के दर्शन के लिए अभी करीब सप्ताह भर का इंतजार करना पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के मुताबिक अगले 5-7 दिन भी धूप निकलने की संभावना कम है। अनुमान जताया जा रहा है कि अंतिम सप्ताह में मौसम खुलने के बाद धूप लौटने के आसार हैं। ऐसे में बंद और नम कमरों में फफूंद बढ़ने से संक्रमण और एलर्जी की परेशानी बढ़ सकती है। गीले कपड़ों और सीलन वाले कमरों ने भी लोगों की मुश्किल बढ़ाई है।

नमी बढ़ाती है फंगस, रहता है संक्रमण का खतरा

राजधानी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पंकज अग्रवाल का कहना है कि इस समय ज्यादा चिंता नमी के कारण फंगस और संक्रमण बढ़ने की है। लंबे समय तक नमी रहने से फंगस तेजी से बढ़ सकता है। धूप की कमी और नम वातावरण का असर शरीर की सामान्य प्रतिरोधक क्षमता पर भी पड़ सकता है। यही कारण है कि अगस्त में वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिली है। इस बीच उन्होंने इस बात से इंकार किया है कि धूप की कमी के कारण विटामिन डी की कमी देखने को मिल सकती है। उनका कहना है कि बदलती दिनचर्या के कारण सामान्य दिनों में भी इसकी कमी देखी जाती है। संक्रमण के कारण राजधानी में 20 प्रतिशत तक सर्दी, खांसी और फ्लू के मरीज बढ़ गये हैं। जेपी अस्पताल में जुलाई में मरीजों की संख्या रोजाना 120-150 रहती थी, वह अगस्त अंत तक बढ़कर 200 हो गई। इसी तरह हमीदिया में यह संख्या 320 तक पहुंच गई है। जबकि जुलाई तक यहां बाह्य रोगी विभाग में बमुश्किल 200-250 मरीज ही पहुंचते थे।

ग्वालियर को छोड़ कई संभागों में कम धूप

ग्वालियर की तुलना में सागर, भोपाल, जबलपुर और रीवा संभाग के जिलों में धूप वाले दिन कम रहे। अगले कुछ दिन भी बादल इसी तरह दिखेंगे। इसके बाद सितंबर के अंतिम सप्ताह में मानसूनी गतिविधियां कमजोर होने के बाद राजधानी में धूप लौटने की उम्मीद है। भोपाल में गुरुवार 94 प्रतिशत तक आर्दता रिकार्ड की गई है।

154 करोड़ के अंबेडकर सेतु की मरम्मत का खर्च ठेकेदार से वसूलेगा पीडब्ल्यूडी

भोपाल (नगर संवाददाता)

एमपी नगर में गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक बने 154 करोड़ के अंबेडकर सेतु की खराबियों को लेकर लोक निर्माण विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि फ्लाईओवर की मरम्मत और संधारण पर होने वाला पूरा खर्च संबंधित ठेकेदार संस्था मेसर्स वीकेएससी इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड से वसूला जाएगा। वास्तविक लागत के साथ 20 प्रतिशत क्षतिपूर्ति भी ली जाएगी। विभाग पर इसका कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। पीडब्ल्यूडी ने 31 जुलाई और 11 अगस्त को ठेकेदार को 15 दिन में सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए थे, लेकिन काम पूरा नहीं हुआ।

बारिश में सामने आईं कई खामियां

फ्लाईओवर का निर्माण 31 दिसंबर 2024 को पूरा हुआ था और इसकी दोष दायित्व अवधि 30 दिसंबर 2029 तक है। बारिश के दौरान बियरिंग कोट में खराबी, ड्रेनेज स्पाउट और वर्षाजल पाइप चोक होने, सड़क पर पानी गिरने, एक्सपेंशन जॉइंट से रिसाव और सर्विस रोड पर जलभराव जैसी समस्याएं सामने आईं। कुछ स्थानों पर सड़क की स्थिति भी खराब मिली।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)